



भारत का राजपत्र



The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ११

नई बिल्ली, शनिवार, अनुष्ठान 4, 1975 (पौष 14, 1896)

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 4, 1975 (PAUSA 14, 1896)

इस भाग में चित्तम् पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

सांग III—खण्ड १

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महासेवापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संसदन और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसंचालन।

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

संघ लोक सेवा आयोग

नई विल्ली-110011, दिनांक 5 दिसम्बर 1974

सं० ए० 32013/1/73-प्रशा०-१—संघ लोक सेवा आयोग
में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री आर० पण्डित ने, जिन्हें इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 7-8-1974 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 25-9-1974 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अवृत्त सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

2. अपने प्रत्यावर्तन के बाब श्री आर० पण्डित ने 25-9-1974 के अपराह्न से अनुभाग अधिकारी, संघ लोक सेका आयोग का कार्यभार समाप्त लिया ।

सं० ए० 32013/1/74-प्रश्ना०-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा सर्वर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री टी० एन० चन्ना ने, जिन्हें ३२०१३/१/७४ तिथि की अधिसूचना सं० ए० 32013/1/74-प्रश्ना०-इनमें ५५८ अवर, १९७४ के द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड-I में स्थाना ने के लिए नियुक्त किया गया था। ३ अक्टूबर, १९७४ के संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद का गाराम, ३१. दिया।

2. अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री टी० एन० चन्ना ने १९७४ के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में श्रनुभाग के पद का कार्यभार संभाल लिया ।

पी० एन० मु
अबर सचिव, संघ लोक सेवा आय।

नई दिल्ली, दिनांक 18 नवम्बर 1974

स० ए० 32013/2/73-प्रशा०-I—केन्द्रीय सचिवालय
सेवा के ग्रेड J के स्थायी अधिकारी श्री एन० के० प्रसाद को उक्त
सेवा के चयन ग्रेड मे० स्थानापन्थ रूप से कार्य करने के लिए नियुक्ति
से संबद्ध इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 4 अक्टूबर
1974 मे० दर्शाइ गए तारीख 5-10-1974 से 18-12-1974
तक के स्थान पर 5-10-1974 से 28-2-1974 तक पढ़े जाएं।

दिनांक 5 दिसम्बर 1974

सं० ए० ३२०१४/१/७४-प्रश्ना०-१—सब लोक सेवा आयोग के संवर्ग में स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० स० स्ट० सेवा का ग्रेड II) श्री एस० पी० मेहरा को राष्ट्रपति द्वारा ११-११-१९७४ से २८-१२-१९७४ तक ४८ दिन की अवधि के लिए उसी संवर्ग में पूर्णतः अस्थायी और तदर्थं आधार पर वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्ट० सेवा का ग्रेड १) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियक्त किया जाता है।

२. श्री एस० पी० मेहरा अवगत करले कि वरिष्ठ वैयक्तिक महायक (के० स० स्ट० सेवा का ग्रेड-१) के पद पर उनकी नियुक्ति र्णतः अस्थायी और तदर्थ है और केन्द्रीय सचिवालय २. ओपाफर सेवा के ग्रेड-१ मे विलियन का या उक्त ग्रेड मे वरिष्ठता १. रेड दावा नहीं होगा ।

दिनांक 7 दिसम्बर 1974

सं० ए० 32013/1/74-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री आर० आर० शिमरे को, राष्ट्रपति द्वारा 6-10-1974 से 26-11-1974 तक की अवधि के लिए अधिकारी नियमित अधिकारी के ग्राने तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड-I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 13 दिसम्बर 1974

सं० ए० 32013/1/74-प्रशा०-I—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-I के स्थायी अधिकारी श्री जे० वी० राव को राष्ट्रपति द्वारा 11-11-1974 से 31-12-1974 तक (दोनों दिनों सहित) 51 दिन की अवधि के लिए उक्त सेवा के चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32013/1/74-प्रशा०-I—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-I के स्थायी अधिकारी श्री जे० वी० गुप्ता को राष्ट्रपति द्वारा 11-11-1974 से 10-2-1975 तक (दोनों दिनों सहित) 3 महीने की अवधि के लिए या आगामी प्रादेश तक दोनों में जो पहले हो उक्त सेवा के चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

पी० एन० मुखर्जी,
अवर सचिव
(प्रशासन प्रभारी)

नई दिल्ली-110011, दिनांक 28 नवम्बर 1974

शुद्धिपत्र

सं० ए० 26014/1/74-प्रशा०-I—इस कार्यालय की समसंचयक अधिसूचना दिनांक 21-11-1974 में जहां भी “परीक्षा नियंत्रक” शब्द आए हों उनके स्थान पर “अतिरिक्त सचिव और परीक्षा नियंत्रक” शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

दिनांक 30 नवम्बर 1974

सं० ए० 12019/2/74-प्रशासन-II—संघ लोक सेवा आयोग की समसंचयक अधिसूचना दिनांक 31 अगस्त, 1974 के अर्म में संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थायी यांत्रिक सारणीयन अधिकारी श्री पी० चटर्जी कों संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में निदेशक (आंकड़ा संशोधन) के पद पर 29 नवम्बर, 1974 से तीन मास की अवधि के लिए या इस पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक जो भी पहले हो तर्दश्य आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

दिनांक 5 दिसम्बर 1974

सं० पी० 1827-प्रशासन-I—केरल सरकार के इंजीनियर कॉलेज, ट्रिवेन्डम में मिशिल इंजीनियरी के भूतपूर्व आख्याता डा० ए० सी० मथायी को 18 नवम्बर, 1974 से आगामी आवेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है।

दिनांक 11 दिसम्बर 1974

सं० ए० 12019/6/74-प्रशा०-II—अध्यक्ष संघ लोक सेवा आयोग, संघ लोक सेवा आयोग के के० स० स्ट०० से० संवर्ग के स्थायी चयन ग्रेड अधिकारी और आयोग के कार्यालय में के० स० स्ट०० से० संवर्ग से प्रतिनियुक्ति के आधार पर अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे श्री बी० ए० स० जैन को एतद्वारा 27 नवम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से 28 फरवरी, 1975 तक अध्यक्ष संघ लोक सेवा आयोग के विशेष सहायक के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

श्री बी० ए० स० जैन, अध्यक्ष संघ लोक सेवा आयोग के विशेष सहायक के संवर्ग वाह्य पद पर प्रति नियुक्ति पर होंगे और उनका वेतन समय-समय पर यथासंशोधित वित्त मंत्रालय के का० ज्ञा० सं० एफ० 10 (24)-प्रशा०-III दिनांक 4 मई, 1961 में उल्लिखित उपबन्धों के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

पी० एन० मुखर्जी,
अवर सचिव, कृते अध्यक्ष

नई दिल्ली-110011, दिनांक 4 दिसम्बर 1974

सं० ए० 11013/2/74-प्रशासन-II—संघ लोक सेवा आयोग के के० स० से० संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री आर० एन० खुराना को सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा 11 नवम्बर, 1974 के (पूर्वाह्न) से 28 फरवरी, 1975 तक आयोग के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी (विशेष) के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

अनुभाग अधिकारी (विशेष) संवर्ग वाह्य के रूप में श्री आर० एन० खुराना की नियुक्ति प्रतिनियुक्ति के आधार पर होगी और उनका वेतन समय-समय पर यथासंशोधित वित्त मंत्रालय के का० ज्ञा० सं० एफ० 10 (24)-प्रशा०-III दिनांक 4 मई, 1961 में उल्लिखित उपबन्धों के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

सं० ए० 11013/2/74-प्रशा०-II—संघ लोक सेवा आयोग के के० स० से० संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री के० एल० कटियाल को सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा दिनांक 11 नवम्बर, 74 (पूर्वाह्न) से 28 फरवरी, 75 तक आयोग के कार्यालय में स्थानापन्न आधार पर अनुभाग अधिकारी (विशेष) नियुक्त करते हैं।

श्री के० एल० कटियाल की अनुभाग अधिकारी (विशेष) संवर्ग वाह्य के रूप में नियुक्ति प्रतिनियुक्ति आधार पर होगी और उनका वेतन वित्त मंत्रालय के समय-समय पर यथासंशोधित

का० ज्ञा० सं० एक० 10 (24)-ई०-III दिनांक 4 मई, 1961 के उपबन्धों के अनुसार नियमित होगा।

सं० ए० 11013/2/74-प्रशा०-II—संघ लोक सेवा आयोग के के० स० से० संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री जे० पी० गोयल को सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा 11 नवम्बर, 1974 (पूर्वाह्न) से 28 फरवरी, 1975 तक आयोग के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी (विशेष) के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

अनुभाग अधिकारी (विशेष) संवर्ग बाह्य के रूप में श्री जे० पी० गोयल की नियुक्ति प्रतिनियुक्ति के आधार पर यथासंशोधित वित्त मंत्रालय के का० ज्ञा० सं० एक०-10 (24)प०-III दिनांक 4 मई, 1961 में उल्लिखित उपबन्धों के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

दिनांक 7 दिसम्बर, 1974

सं० 11013/2/74-प्रशा०-II—संघ लोक सेवा आयोग में के० स० से० संवर्ग के सहायक ग्रेड के स्थायी अधिकारी, श्री एच० आर० कृषिराज को, सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, एतद्वारा दिनांक 11 नवम्बर, 1974 (पूर्वाह्न) से 28 फरवरी, 1975 तक आयोग के कार्यालय में स्थानापन्न आधार पर अनुभाग अधिकारी (विशेष) नियुक्त करते हैं।

श्री एच० आर० कृषिराज की अनुभाग अधिकारी (विशेष) संवर्ग बाह्य के रूप में नियुक्ति प्रतिनियुक्ति आधार पर होगी और उनका वेतन वित्त मंत्रालय के समय-समय पर यथासंशोधित का० ज्ञा० सं० 10 (24)-ई०-III दिनांक 4 मई, 1961 के उपबन्धों के अनुसार नियमित होगा।

पी० एन० मुखर्जी,
अवर सचिव
कृते सचिव

मंत्रीमंडल सचिवालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 5 दिसम्बर, 1974

सं० 11/6(5)/74-प्रशा०-1 (वाल-6)—पुलिस उपमहानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा राजस्थान राज्य पुलिस के अधिकारी श्री जयकरण को दिनांक 11-11-74 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग की विशेष एकक शास्त्री में स्थायी रूप से प्रतिनियुक्ति पर पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल

प्रशासनिक अधिकारी (स्था.)

कृते पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना।

नई दिल्ली, दिनांक 13 दिसम्बर, 1974

सं० डी०-2/70-प्रशा०-5—श्री देव दत्त, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, अम्बाला की सेवाए० दिनांक 4-1-75 (प्रपराह) से हरियाणा राज्य पुलिस को वापस सौंपी जाती है।

दिनांक 16 दिसम्बर, 1974

सं० एच०-10/74-प्रशा०-5—राष्ट्रपति श्री प्रसाद से श्री एच० एन० सम्भार्या, भारतीय पुलिस सेवा (1968-तमिलनाडु) को दिनांक 4 दिसम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति पर पुलिस अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

सं० एस०/22/74-प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा महाराष्ट्र राज्य पुलिस से प्रतिनियुक्त निरीक्षक श्री एस० आर० गुलजारी को दिनांक 22-11-74 (प्रपराह) से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुलिस उपअधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल,
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

मसूर, दिनांक 3 दिसम्बर 1974

सं० 236-ई० एस० पी०—भारत सरकार के राजपत्र असाधारण भाग 2 खण्ड 3 उपखण्ड (1) दिनांक 30 अप्रैल, 1974 के द्वारा खण्ड 44 उप खण्ड 6 लाल बहापुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी श्रीरंगक “(1) श्रेणी II पद “के कालम 2 में नवम्बर 3 से सम्बन्धित प्रविष्टि के पश्चात् श्रेणी II पद (प्रराजपत्रित) जोड़े जाने के फलस्वरूप श्री डी० डी० त्यागी, निदेशक के निजी सहायक जिनकी श्रेणी II राजपत्रित अधिकारी के रूप में अधिसूचना भारत सरकार के राजपत्र भाग III खण्ड 1 दिनांक 19-1-1974 के पृष्ठ 286 पर जारी की गई थी, वह अधिसूचना रद्द की जाती है।

इयाम नारायण सेठ,
सहायक निदेशक

गृह मंत्रालय

केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो

नई दिल्ली-16, दिनांक

सं० 11(1) 28/72-प्रशा०—केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो के वरिष्ठ अनुवादक श्री देव लाल को छुट्टी के दौरान दिनांक 2-12-74 से 31-1-75 तक तदर्थ आधार पर अनुवाद अधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है।

गोविन्द मिश्र,
निदेशक

केन्द्रीय सरकारी आयोग

नई दिल्ली, दिनांक

सं० 2/4/74 प्रशा०—केन्द्रीय सरकारी आयुक्त एदद्वारा श्री आर० रामचन्द्रन, केन्द्रीय सरकारी आयोग के स्थाई सहायक को 2 दिसम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक आयोग में स्थानापन्न रूप से अनुभाग अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 2/29/74-प्रशा०—केन्द्रीय सरकारी आयुक्त एतद्वारा श्री सी० कृष्णास्वामी, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता को 3-12-74 पूर्वाह्न से अगले आदेश तक केन्द्रीय सरकारी आयोग में स्थानापन्न रूप से सहायक तकनीकी परीक्षक नियुक्त करते हैं।

बी० व्ही० दिघे,
अवर सचिव,
कृते केन्द्रीय सरकारी आयुक्त

प्रेरण आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हुबली

तारीख 18-11-1974

निर्देश सं० 66/74-75/एच० एक्य० —यतः, मुझे, आर० पार्थसारथी

आयकर अधिनियम 1961, (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० आर० एस०, नं० 416/1+2ए+2बी/1 है, जो गदग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गदग डॉक्युमेंट नं० 241 के अन्तर्गत 29-4-1974 के दिन में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती सावंतबा ईरथा, आयट्री मकानगली, गदग (अन्तरक)

(2) श्रीमती रमाबाई परशुरामसिंग राजपूत, वक्कलगांगी, गदग (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गदग में आर० एस० नं० 416/1+2ए+2बी/1 में 19 एकड़ और 13 गुंठा भापन के खेती का जमीन।

आर० पार्थसारथी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हुबली

तारीख: 18-11-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त
कार्यालय भोपाल

दिनांक 12 दिसम्बर 1974

निदेश सं० एस० आर०/इन्दौर/3-4-74—अतः, मुझे श्री
एम० एफ० मुन्शी आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० मकान नं० 1/2 है, जो शीतलमाता में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकॉर्ट
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-4-74 को
पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकॉर्ट विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फ़द्द विश्वास अधिक है और
यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
या, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही मुरुर करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपश्वारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः:—

(1) श्री किशन गोपाल पुत्र श्री रतन लाल काकानी, 74
शीतलमाता, बाजार इन्दौर (अन्तरक)

(2) श्री तनसखलाल पुत्र श्री जगन्नाथ काकानी निवास,
गांव कम्बरगांव जिला अकोला महाराष्ट्र (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती ही के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुनिश्पल हाउस नं 1/2 सामने का भाग, सोतलामाता
बाजार इन्दौर।

एम० एफ० मुन्शी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज भोपाल

तारीख 12-12-74

मोहर :

(जो लाग न हो उसे काट दीजिए)

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल तारीख 12-12-1974

निर्देश सं० एस० आर० छिन्दवाडा 30-4-74—अत.,
मुझे, श्री एम० एफ० मुन्ही आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिस को स० मकान गांव पीपला नं० 248 है जो गांव पीपला
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, छिन्दवाडा में भारतीय
रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
30-4-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्टमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान
प्रतिफल ने, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल वा पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियां)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में व्यास्तिक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ह्रै इ किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961
का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का
43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के
अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा
अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपशारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री ठाकुर नारायन सिंह पुत्र श्री ठा० गोविन्दसिंह
जी विशेन राजपूत निवास गांव पीपला तहसील सासोर जिला
छिन्दवाडा
(अन्तरक)

(2) श्री श्यामगव पुत्र श्री नारायन नादानकार तेली, गांव
पीपलासुसर छिन्दवाडा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित द्वारा, अधीक्षित द्वारा, अधीक्षित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित ह, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हाउस और स्थिति गांव पीपला दी० एच० नं० 248 तहसील
सर्वसे जिला छिन्दवाडा।

एम० एफ० मुन्ही
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 12-12-1974

मोहर :

प्रस्तुप आई० दी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, तारीख 12-12-74

निर्देश सं० एस० आर० (रायपुर/11-4-74—अतः;
मुझे, श्री एम० एफ० मुन्शी, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है
और जिस की सं० प्लाट नं० 2c/26 विलाक नं० 16 है, जो रायपुर
में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में भारतीय
रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
11-4-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया
गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त
अन्तरण लिखित में वारंविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना :

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20 के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए
गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दीनानाथ अरोरा पुत्र श्री सोहनलाल अरोरा निवासी
एहमद भाई कालोनी बैजनाथ पारा रायपुर (अन्तरक)

(2) श्रीमती रेनुका गंगोली पत्नी श्री हरीशकान्त गंगोली
(2) श्रीमती लीला गंगोली पत्नी श्री भावेशकान्त
गंगोली निवास बुधापारा रायपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्त्वांची व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हाउस और प्लाट नं० 2c/26 स्थिति विलोक नं० 16 पर
सिवल लाइन नागपुर

एम० एफ० मुन्शी,
सहायक प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख: 12-12-74

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, तारीख 12-12-74

निर्देश सं० एस० आर०/छिन्दवाड़ा 17-4-74—अतः, मुझे श्री एम० एफ० मुन्ही आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० हाउस आरामिल्स है, जो छिन्दवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, छिन्दवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-4-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उस से बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मथुरा प्रसाद पुत्र श्री गज राज विष्णु विक्रमा, छोटातालाव छिन्दवाड़ा (अन्तरक)

(2) श्री हाजी सेख गुलाब पुत्र श्री सेख अब्दुल मुसलमान निवास सताहर के पास छिन्दवाड़ा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हूँ ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हाउस और आरामिल्स बना हुआ प्लाट पर एसिया 75 वर्ग फीट छिन्दवाड़ा।

एम० एफ० मुन्ही,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 12-12-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त निरीक्षण

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, तारीख 12-12-74

निर्वेश सं० एस० आर० सोपुरकल 15-4-74— अतः, मुझे
एम० एफ० मुन्ही

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी
सं० मकान और दुकान वार्ड नं० 5 है, जो शोपुरकला में स्थित
है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, मुरैना में भारतीय रजिस्ट्रीकृत
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-4-74
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उनिस बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तररक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं क्या गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय अयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यह; आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपद्वारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2-396 GI/74

(1) श्री विष्णुकुमार पुत्र श्री गोपीलाल गौर (2) श्रीमती
दाकावाई पत्नी श्री चीतरमल बोश शोपुरकला मोरेना
(अन्तरक)

(2) श्री मेघराज पुत्र श्री नेनूमल (2) श्री नानकगम पुत्र
श्री नेशमल (3) श्री धनराज और श्री रीजूमल उर्फे
मनोहरलाल पुत्र श्री नेनूमल सिन्धी सबका निवास
शोपुरकला जिला मुरैना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन केलिए
एतद्वारा कार्यालयी शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्त्वबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-
बद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यक्ति को,
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तर्था सम्पत्ति के अन्तरिती को
दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है,
आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान और दुकान तीन मंजिला स्थित मोती कर्तना सदर
बाजार वार्ड नं० 5 मकान नं० 17 शोपुरकला जिला मोरेना
(म० प्र०)।

एम० एफ० मुन्ही
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 12-12-74

मोहर:

प्रस्तुत ग्राही टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, तारीख 12-12-74

निर्देश सं० एस० आर०/भीमाल/29-4-74—मतः, मुझे एम० एफ० मुन्ही आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु से अधिक है और जिस की सं० प्लाट नं० 25 है जो अरेया कालोनी में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय भोपाल में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 29-4-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के प्रनसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्दह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या ;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का, 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-व के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिनियम किए गए हैं

यतः अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री माखन लाल शास्त्री पुत्र पंडित किशोरी लाल जी निवास गांव खालोर जिला बुलंदशहर (पू० पी०) अम्बी जैन मंदिर रोड भोपाल (अन्तरक)

(2) श्रीमती किशना गुप्ता पल्नी श्री जैयदेव गुप्ता भारतार्दी रोड भोपाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के अपर में किये गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएं और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि इस ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-व में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं० 25 सीक्टर ई-II अरेया कालोनी शाहपुर जोल केपिटल प्रोजेक्ट हवीमगंज स्टेशन (भोपाल)

एम० एफ० मुम्ही,
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 12-12-74

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269 अ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज, जयपुर

तारीख 31-10-74

निर्देश सं० ए-4/74(8)/22/593—यतः, मूँह, शी० पी०
मित्तल आयकर अधिनियम,

1961, (1961 का 43) की भारा 269 अ के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० मिनाय हाउस है, जो अजमेर में स्थित है (और इससे उपाधान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा प्राधिकारी के कार्यालय, अजमेर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26 फ्रैल 1974 मार्च को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विवेच के अनुसार अन्तरित की गई है और मूँह यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृद्धमान प्रतिफल से ऐसे वृद्धमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही पूर्ण करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः धब, भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ की उपनाय (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारियों, प्रमाणित :—

(1) श्री नरेन्द्र सिंह पुत्र राजा कल्याण सिंह निवासी मिनाय वर्तमान में निवासी आदर्श नगर, अजमेर (अन्तरक)

(2) श्री सत्तार खां पुत्र श्री अकबर खां निवासी ग्राम खानपुर तहसील और जिला अजमेर (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए उत्पद्धारा कार्यवाही करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अवित्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहु किसी अन्य अवित्त द्वारा, अबोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उत्पद्धारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उक्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे अवित्त को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है सूचना सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

उत्पद्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे अवित्त को, जिसे पूर्ववर्तीं पैदा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार द्वारा होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिवर्तित है, वही वर्ण होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुषुपूर्वी

जयपुर रोड अजमेर स्थित मिनाय हाउस जिसका नम्बर ए० एम० सी० नं० एस/461 का भाग 1 खुली जमीन एवं निर्मित एरिया।

वी० पी० मित्तल,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज, जयपुर

तारीख 31-10-74

मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 12 अक्टूबर 74

निदेश सं० एस० आर०/ग्वालियर 10-4-74 —यतः,
मुझे, एम० एफ० मुन्शी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० मं० 27/755/6 है, जो लक्षकर में स्थित है और इससे उपावच्छ अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित से, रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1808 का 16) के अधीन 10-4-74 को पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाथा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपस्थाया (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हीरालाल अरोड़ा पुत्र श्री गोकल चन्द अरोड़ा निवासी माधो गंज लक्षकर ग्वालियर (अन्तरक)

(2) नरसी भाई पटेल पुत्र श्री द्वारका दास पाल निवासी 27/755/6 रामप्रवतार कालोनी झांसी रोड लक्षकर ग्वालियर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित द्वारा, अधीक्षित द्वारा के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 27/755/6 स्थित रामप्रवतार कालोनी लक्षकर ग्वालियर

एम० एफ० मुन्शी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भोपाल

तारीख 12-12-74
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज शिलांग का कार्यालय

शिलांग, दिनांक 28 अक्टूबर 74

निर्देश सं० ए०-७४/गौ/७४-७५/३१४८-५६—यतः, मुझे एन० पचुआई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० डाग नं० 345, एम० पत्ता नं० 114 है, जो बेलटोला मौजा, गांव हातिगरह, गौहाटी में स्थित है (और इससे उत्पद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, गौहाटी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-४-७४ को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विभाग के अनुसार अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच क्षय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उत्तर से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवश्यक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्जन रेंज शिलांग

(1) रामचंद्र मिस्त्री, रोहाबाड़ी, गौहाटी (अन्तरक)

(2) श्री (1) मदेश्वर दास, (2) बनेस्वार दास

(3) फाटिक चन्द्र दास (4) गोपेश्वर दास गोराल, मौजा रामचरानी, गौहाटी (अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये उत्पद्धारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोनुसारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिक्षीय की जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार द्वारा द्वारा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के माप 3 (तीन) बीघा जो कि डाग नं० 345, एम० पत्ता नं० 114 बेलटोला मौजा गांव हातिगरह, गौहाटी, जिला कामरूप आसाम प्रवेश से पड़ी हुई है।

एन० पाचुआई
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज शिलांग

तारीख: 28-10-74

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज शिलांग का कार्यालय

शिलांग, दिनांक 5 अक्टूबर 1974

निर्देश सं० ए-71/गी०/74-75—यतः, मुझे, एन० पाचुओ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० डाग सं० 635 और 636 के० पी० पट्टा सं० 178 और 38 है, जो गांव माइडम, मौजा बेलतला, गोहाटी में स्थित है (प्रीरहस्से उपावढ अनुसूची में द्वारा पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता के अधिकारी के कार्यालय गोहाटी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-4-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ याया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित मही किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे धन्दने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री गौर मोहनदास, पानबाजार, गोहाटी (अन्तरक)

2. श्री राज कुमार देवराह, जु रोड, गोहाटी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए उत्तद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियम किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त दैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

4 (चार) विधा परिमाप के जमीन डाग नं० 635 और 636, के० पी० पट्टा सं० 178 और 38 द्वारा परिवेष्ट जो गांव माइडम, मौजा बेलतला, गोहाटी, जिला कामरूप, आसाम प्रदेश में स्थित है।

एन० पाचुओ,
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
दिनांक: 5-10-1974

मोहर :
मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज शिलांग का कार्यालय

शिलांग, दिनांक 7 अक्टूबर 1974

निर्देश सं० ए-७३/गौ०/७३-७४—यतः, मुझे, एन० पाचुम्बी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 / रुपये से अधिक है और जिसकी सं० डाग सं० 250, के० पी० पट्टा सं० 12 है, जो ग्राम काहिलिपारा, बेलतला मौजा, गोहाटी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, गोहाटी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 10-४-७४ को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विवेद के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच क्षय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित मही किया गया है:—

(क) अन्तरण से कृई विसी आय की आबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में वसी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपबारा (1) के अधीन निम्नलिखित अदितयों, अर्थात्:—

1. श्री रसन मिकिर, काहिलिपारा, गोहाटी। (अन्तरक)

2. श्री उपेन्द्र कुमार बरा, चान्दमारि, निखरापार, गोहाटी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ विसी अन्य व्यवितयों के पास लिखित में किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उक्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, जी सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती की दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती दैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन को परिमाप 4 (चार) बीघा, 3(तीन) कट्टा और 7 (सात) लेजा जी डाग सं० 250 के० पी० पट्टा सं० 12 से परिवेषित हैं और गाँव काहिलिपारा, मौजा बेलतला, गोहाटी, जिला काम्रप, प्रदेश शासाम में स्थित है।

एन० पाचुम्बी,
सक्षम प्राधिकारी,
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण))
अर्जन रेज शिलांग,

दिनांक : 7-10-1974

मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयवत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 नवम्बर, 1974

निवेश सं० ए०सी०व्य०/२३-१-२००(९८)/१/७४-७५—
यतः, मुझे जो० कथूरिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. शीट नं० 36, 37, 40 तथा 41 सर्वे नं० 1683, 1653/7 तथा 1682, शाहपुर वार्ड नं० 2 है, जो पुराना सिविल हस्पताल के निकट, घीकाटा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-4-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवस्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयी शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) 1. प्रियबंदा उर्फ जरबाई, कस्तूरभाई मणीभाई नगरशेठ की पुत्री,
2. प्रमिला, कस्तूरभाई मणीभाई नगरशेठ की पुत्री, नगरशेठ बंडो, पुराना सिविल हस्पताल, घीकाटा, अहमदाबाद। (अन्तरक)

(2) मैसर्स शांति कमर्शल सेन्टर, 39, संजीवबाग, नवा शारदा मंदिर रोड, अहमदाबाद के हेतु तथा उसकी ओर से —

1. श्री कल्याणभाई पुरषोत्तम वास फड़ीया,
2. श्री आस्माराम भोगीलाल मुतरीया,
3. श्री लालभाई गिरधरलाल वलाल,
4. श्री जयंतिलाल आत्माराम शाह
5. श्री जयंतिलाल भोगीलाल शाह,
6. श्री सुमतीलाल छोटालाल शाह,
7. श्री रसिकलाल मोहनलाल शाह,
8. श्री भरतकुमार चंद्रलाल शाह, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए उत्पादारा कार्यवाही पूर्ण करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उत्पादारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

उत्पादारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति का आधा हिस्सा जिसका शीट नं० 36, 37, 40 तथा 41 शाहपुर वार्ड नं० 2, सर्वे नं० 1683 है तथा रास्ते की जमीन जिसका सर्वे नं० 1653/1 तथा 1682 है, और जो पुराने सिविल हस्पताल के निकट घीकाटा, अहमदाबाद में स्थित है, और जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं—

पूर्व : सर्वे नं० 1653/5

पश्चिम : रास्ता और सर्वे नं० 1683 की सम्पत्ति

उत्तर : सर्वे नं० 1653 तथा 1681/१ की सम्पत्ति

वर्षिण : सर्वे नं० 1683 की सम्पत्ति

(तथा जिसका पूर्ण विवरण, विशेष दस्तावेज जो कि 1314 नम्बर से दिया गया है, मैं दिया गया है।)

तारीख : 7-11-74

मोहर :

(जे० कथूरिया)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

२६९-४ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक, नवम्बर 1974

निवेश स० ए०सी०कय०/२३-१-२०१(९९)/१-१/७४-७५—
यत्, मुझे ज० क्यूरिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने वा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- में अधिक है और जिसकी म० शीट न० 36, 37, 40 तथा 41, सर्वे न० 1677, 1678, 1679, 1681/ए०/१, 1653/६ 1682 शाहपुर ३ बार्ड न० २ है, जो पुराना सिविल हस्पताल के निकट, घोकाटा, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबूद्ध अनुसूची में शीर्ष पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ११-४-१९७४

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्येक प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तररक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखि० में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए अधिवाही शूल करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः आब, धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-४ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) 1. श्री सुर्यकान्त साहेबसिंग नगरशेठ
2. श्री निपीनचन्द्र साहेबसिंग नगरशेठ,
3. श्री प्रियुकान्त साहेबसिंह नगरशेठ
4. श्री इन्द्रजीत साहेबसिंग नगरशेठ, नगरशेठ बंदी, पुराना सिविल हस्पताल के निकट, घोकाटा, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) मैमर्ज शांति कर्मशल सेन्टर, ३९, संजीवबाग, नवा शारदा मंदिर रोड, अहमदाबाद, के हेतु तथा उसकी ओर से—

1. श्री कल्याणभाई पूरखोत्तमदास फड़ीया,
2. श्री आत्माराम भोगीलाल सुतरीया,
3. श्री लालभाई गिरधरलाल दलाल,
4. श्री जयतिलाल आत्माराम शाह,
5. श्री जयतिलाल भोगीलाल शाह,
6. श्री सुमतीलाल खोटालाल शाह,
7. श्री रसिकलाल मोहनलाल शाह,
8. श्री भरतकुमार चंदुलाल शाह, (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना भी तामील से 30 दिन की अवधि, जो अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्तियों को, जिसमें ऐसा आक्षेप किया है कि तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती परा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

प्रणीतिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति का आधा हिस्सा जिसका शीट न० 36, 37, 40 तथा 41, शाहपुर बार्ड न० २ सव न० 1677, 1678, 1679 तथा १६८१/ए०/१ है और रास्ते की जमीन जिसका सर्वे न० 1653-६, 1682 है, और जो पुराने सिविल हस्पताल के निकट, घोकाटा, अहमदाबाद में स्थित है और जिसका सीमाएं निम्नलिखित हैं।—

पूर्व: सर्वे न० 1653/५

परिच्चम: रास्ता,

उत्तर: सर्वे न० 1681/ए०/१,

दक्षिण: सर्वे न० 1683 और 1653।

(तथा जिसका पूर्ण विवरण बिक्री दस्तावेज जो कि 1315 नम्बर से वि० 11-४-१९७४ को सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद द्वारा रजिस्ट्रीकृत किया गया था, में दिया गया है)।

ज० क्यूरिया,

सक्षम प्राधिकारी,

ता० ७-११-१९७४

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहर :

अर्जन रेज 1, अहमदाबाद

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सामायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 नवम्बर 1974

निदान सं० 165/ए० सी० क्य० 23-255/19-8/74-75—
यतः, मुझे पी० एन० मिस्ल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे न० 13-2, 13-3 और 14 पैकी म्य० वार्ट 13, न००४ न० 283, प्लाट-3 है, जो दीवाली बाग, अथवा लेनम, ता० चोरियासी, सूरत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-4-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

1. मनसुखलाल शांतिलाल राणा, अम्बावेन शांतिलाल राणा, धनसुखलाल चन्दुलाल राणा, हीरालाल चन्दुलाल राणा, नवापारा, कर्वा रोड़, सूरत (अन्तरक)

2. श्री उत्तमराम मनीलाल गजीबाला, चम्पकलाल नगीनदाम, बिपिनचंद्र शाहपाराई, जशोवाबेन मोतीलाल, नवापारा, लीमड़ाशेरी सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में भमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अंधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित विद्या जाना है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन मर्वे० न० 13-2, 13-3 और 14 पैकी म्य० वार्ट न० 13, न००४ न० 2 और 3 पैकी प्लाट न० 3 जो दीवाली बाग, अथवा लाइनम, ता० चोरियासी सूरत में स्थित है जिसका शेवफल 401 67 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के 1974 के रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1294 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मिस्ल,
मशम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, अहमदाबाद
दिनांक 1-11-1974
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 दिसंबर, 1974

निदेश स० एस०/10/6/74-75—यतः, मुझे कै० श्री० राजन, आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मूल्य 50, वेस्ट पेस्ट माल मेस्टिरि स्ट्रीट, मदुरै है, जो में स्थित है (प्रौर इससे उपादान अनुसूची में श्रीर पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, पुतुमंडपम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 अप्रैल, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्दित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से दूर्वै किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने के लिए सुकर बनाना; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती कै० एस० महमूदा बीबी
30, सुलटान अलाउद्दीन स्ट्रीट, एलयानकुर्डि। (अन्तरक)

(2) श्री टी० मार्ग मूलु पिल्लै,
4, आहम्मापुरम, फोरन स्ट्रीट, मदुरै। (अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या लत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बात में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा मांगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हूँ ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिक्ती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदुरै, वेस्ट पेस्ट माल मेस्टिरि स्ट्रीट, डोर मूल्य 30 में 4551 स्क्वेयर फीट भूमि (मकान के साथ)।

कै० बी० राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 1, मद्रास

तारीख : 11-12-1974

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, विनाक 11 दिसम्बर 1974

निवास स० IX 7/10/74-75—यत, मुझे के० वी० राजन, आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है और जिसकी स० 25, न्यू आवडि रोड, कीलपाक, मद्रास-10 है, जो मे॒ं स्थित है (आंग इसमे॒ं उपावद्ध अनुसूची मे॒ं और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वेस्ट मद्रास मे॒ं भारतीय रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 अप्रैल, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत खिलेख वे अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने वा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल पा॒गन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) भी अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे॒ं कभी कामे॒ं या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियो को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, इषाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दो मे॒ं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए व्याख्या ही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब द्वारा 269-ग के अनुसरण मे॒ं, मे॒ं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् —

(1) इमि भाप जोति भाय लाल चन्द, निरमला नारायणदाम और सुन्दरि निमनदाम, 16, आवडि राड मद्रास-10। (अन्तरक)

(2) श्रीमती गोपि रामचन्द्र १४/२४ नामा मेजर रोड एधमार, मद्रास। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र मे॒ं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे॒ं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो मे॒ं से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे॒ं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे॒ं हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे॒ं किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर गे किए गए आक्षेपो, यदि कोई हो, की सुनवोडे के लिए सारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेंगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार द्वारा।

स्पष्टीकरण :—इसमे॒ं प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे॒ं यथापरिभासित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे॒ं दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-10, न्यू आवडि रोड कीलपाक डोर स० 25 मे॒ं भूमि (1267 स्क्वेयर फीट) और गकान (1640 स्क्वेयर फीट) (प्रार० एस० स० 87)।

के० वी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1 मद्रास

तारीख . 10 दिसम्बर 1974
मोहर .

प्ररूप आई० टी० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिसम्बर 11 दिसम्बर 1974

निधेश स० 9/7/12/74 75 यतः मुझे के० वी गजन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी म० 25, न्यू ग्राविडोड, कीलपाक मद्रास-10, है जो अनुसूची में स्थिति है है और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विभिन्न में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ध के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री हमिभाय, जो तिमाय सालान्द, निरमला नारायण्डा से और सुन्दरि, चिमनदाम 16, ग्राविडी रोड, मद्रास-10 (अन्तरक)

थीमति नलिता रामचन्द्र 25, न्यू ग्राविडी रोड, मद्रास-10 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर मूचना की नामों से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि चाह में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाग;—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर रथावर समाजि में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेप, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेप की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में पर्याप्तरभावित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 10 न्यू ग्राविडी रोड, स० 25 में भूमि (1267 स्क्वेयर फीट) और मकान (1640 स्क्वेयर फीट) (आर० एस० १० ८७)

के० वी० राजन,
सधम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 1, मद्रास ।

तारीख 11-12-1974

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 दिसम्बर 1974

निर्देश सं 9/3/25/74-75 यत्र मुझे के० वी० राजन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि व्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रशिक है और जिसकी म० 34. कच्चालीस्वरर अधरहारम मद्रास-1 है, जो मैं स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची मैं और पूर्ण रूप मैं वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय मद्रास मैं भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन एप्रैल 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य गे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विसेक्ष के अनुसार अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह ग्रन्थि अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा आय या ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवृत आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थि आविष्यों को, जिसमें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः आयकर 269-व के अनुसरण में, मैं आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रन्थातः—

(1) वी० एन० वालसुद्धमनियन और आदि१९०, एन० एस० मिं० बोस, रोड, मद्रास-1। (अन्तरक)

(2) वेलवर पलयकाट कम्पनी (पि०) लिमिटेड१६, सिधि चंद्री स्ट्रीट मद्रास-1। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के प्रति धाक्षेप, यदि कोई हा, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में बमाल होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थि व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाय लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह प्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अंजन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए धाक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा धाक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के प्रस्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह प्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्तीं पैरा के अधीन सूचना दी गई है, धाक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए प्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही ग्रन्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 1 कच्चालीस्वरर अधरहारम डोर सं. 34 मैं भूमि और मकान (3998 स्पष्टेयर फीट)।

के० वी० राजन,
सकम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अंजन रेज-1, मद्रास

दिनांक : 9-12-1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 दिसम्बर 1974

निर्देश सं० X/10/2/74-75—यस त्रैमास के बीच राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 166 ए० है जो विकल न्यू स्ट्रीट, मुंबई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुतुमल्लपम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1974 का पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीक्युल विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्दह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बदले के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः ग्रब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती मंगलम अम्माल और आदि. ग्राहो के० मट रोड, मद्रास-18

(अन्तरक)

2. श्री मुन्द्ररम चेट्टियार 79, उसर मासि स्ट्रीट, मुंबई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, वी सुनवाई के लिए सारीब और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती का दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति का, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुंबई, वार्कल न्यू स्ट्रीट डोर सं० 168 ए मे 2340 स्क्वेयर फीट का भूमि और मकान।

के० वी० राजन,
मकान प्राधिकारी
महायकर आयकर आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

दिनांक: 11-12-1974

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 दिसम्बर 1974

निर्देश सं० X/10/3/74-75—यतः मुझे के० बी० राजन,
आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हू० से अधिक है और जिसकी सं० 166 ए० वकिल न्यू स्ट्रीट, मदुरै है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पृ० में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, गुरुगडपम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1974

को पूर्वोक्त मम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह यि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालय की शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती मगलम अम्माल और आशी आर० के० मट रोड,
मद्रास-18

(अन्तरक)

2 श्रीमती कृपनम्माल वकिल न्यू स्ट्रीट, मदुरै
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यालय शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदुरै, वकिल न्यू स्ट्रीट डोर सं० 166 ए मे 2400 स्क्युर फीट का भूमि और मकान।

के० बी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, मद्रास

दिनांक : 11-12-1974

मोहर :

प्रस्तुप प्राईंटी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 नवम्बर 1974

निर्देश सं० 164/ए० सी० क्य० २३-१७२/१३-१०/७४-७५—
यतः, मुझे पी० एन० मित्तल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० फॉक्टरी बिल्डिंग, प्लाट मणीनरी है, जो डाकोर, जिला खेड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ठासरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-4-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीक्यूट विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूम्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- भाई सोमाभाई शंकर पटेल भागुभाई मूलजीभाई पटेल कमलाखेन मूलजीभाई एस० पटेल की विधवा और मनुभाई शंकर

भाई पटेल, मै० महालक्ष्मी काटन जिनिंग एण्ड प्रेसिंग फैक्टरी, डाकोर के महियारी (तबदील के पहले) (अन्तरक)

2. प्रमोदभाई मंगलभाई पटेल, हंसमुखभाई मंगलभाई पटेल, डाह्यभाई पुर्खोत्तमदास, रावाजीभाई डाह्यभाई हतेद्र हरिश्चन्द्र (सारीर) अपने वाली हरिश्चन्द्र अग्रबालाल पटेल द्वारा, अग्रबालाल पुर्खोत्तमदास महालक्ष्मी काटन जिनिंग एण्ड प्रेसिंग फैक्टरी, डाकोर के महियारी (तबदील के बाद) (अतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहीयां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखि में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के सिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिमापित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन, भकान, प्लाट और मणीनरी सहित अचल सम्पत्ति जो महालक्ष्मी काटन जिनिंग एण्ड प्रेसिंग फैक्टरी के नाम से प्रस्तुत हैं जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ठासरा के 25-4-1974 के रजिस्ट्रीक्यूट विलेख नं० 160 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2 अहमदाबाद

दिनांक: 1-11-1974

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एम० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 दिसम्बर 1974

निदश सं० XVI/1(1)/1A /74-75—यतः, मुझे,
के० वी० राजन, आयकर अधिनियम 1961, (1961
का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 1.50 एकड़ भूमि कलरामपट्टि सेलम
है (और इससे उपावद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
अप्रैल 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-
मान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अन्तरार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह
कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
तथा दाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दृढ़ि किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्जन:—

1. श्री के० मुकुम्बामी और बालकृष्णन, सौतापुरम रासी
पुरम, सेलम जिला (अन्तरक)

2. श्री रामन, कलरामपट्टि (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

लप्तीकरण :—इसमें प्रयोक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिला, कलरामपट्टि गांव में 1.50 एकड़ की खाली
भूमि।

के० वी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक : 11-12-1974

मोहर :

प्ररूप आई० दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक, 11 दिसम्बर 1974

निर्देश सं० XVI/1(1)/1B74-75 —यतः मुझे
के० वी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का
43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 1.50 एकड़ भूमि कलरामपट्टि गांव सेलम
जिला है (और इससे उपावड़ अनुसूची मे और पूण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम मे
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन अप्रैल 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरिक्ष की गई है और मूँह यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच तय पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से क्षमित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) तेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षीय द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था,
छिपाने के लिये सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालय शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये
हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री के० मुत्तुस्वामी और वालकृष्णन् सौतापुरम
रासीपुरम, सेलम जिला। (अन्तरक)

2. श्रीमती घोविन्दमाल कलरामपट्टि, सेलम जिला।
(अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति/द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिक्षीय को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

सेलम जिला, कलरामपट्टि गांव में 1.50 एकड़ खाली भूमि।

के० वी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक : 11-12-1974

मोहर :

प्रकृष्ट आई० डी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, तारीख 19-10-1974

निर्देश सं० 1080/74-75—यतः, मुझे ए० रागवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 123 डी० मौन्ट रोड, मद्रास-6 है, जो में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-4-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विसेष के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तर्को) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या ;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

ओर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के 20 शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अफितमों, प्रक्षति:—

(1) श्रीमती (1) उपरस्काउर (2) कान्ता देवी और नवरत्न काउर, मद्रास (अन्तरक)

(2) श्रीमती जुलैका बीबी 3वी एल्टाम्स रोड, मद्रास-18 (अन्तरिती)

(3) (1) पे और एकाउन्टस अफिस; (2) डाइरेक्टर आफ ट्रस्टीज (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अर्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-6 मौन्ट रोड में डोर सं० 123-डी में दूसरा और तीसरा फ्लौर

ए० रागवेन्द्र राव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 19-10-74

मोहर :

प्रखण्ड आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वार्यालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, तारीख 30-9-1974

निर्देश सं० 1209/74-75—यतः मुझे ए० रागवेन्द्र राव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिस की सं० 40, जेनरल पेटर्स रोड, मद्रास है, जो में स्थित
है (और इसमें उपावद्ध में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा०
अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1974 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकूल विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के 20 शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा, 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री आर० एफ० मज़दा और बी० फ़ाइ़िल ग्रल वेमा,
मद्रास (अन्तरक)

(2) श्री एस० एच० गोमिश्वामुडीन; (2) एम० एस० एस०
कादर साहिव, (3) एस० के० अहमद मालाहुदीन और
एस० एस० एस० अहमद शमुना लेव्वै, 51 मलयप्प
स्ट्रीट, मद्रास (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए उत्तद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंह-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोरूपताकारी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

उत्तद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को; जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

उत्तद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-2 जेनरल पेटर्स रोड, डोर सं० 40 मे 2480 म्कुयर
फीट का भूमि (मकान के साथ)

ए० रागवेन्द्र राव,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
प्रर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख : 30-9-1974

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, तारीख 19-10-74

निर्देश सं० 1080/74-75—यतः, मुझे, ए० रागवेन्द्र राव
आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 123 डी मौन्ट रोड, मद्रास-6 है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची) में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्री-कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-4-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विसेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अच्छने के लिए सुकर बनाना; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं:

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती (1) परस्काऊर (2) कान्टा देवी और नवराट्रि-काऊर, मद्रास (अन्तरक)
- (2) श्री ए० नजिमुदीन और मोहम्मद रजीफ, निडुर, तन्जाऊर जिला (अन्तरिती)
- (3) लौं और जस्टिस की मिनिस्ट्री (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-6, मौन्ट रोड डोर सं० 123-डी में पांचवां फ्लोर।
ए० रागवेन्द्र राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 19-10-74

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एम० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज II मद्रास

मद्रास, तारीख 19-10-74

निर्देश सं० 1080/74-75—यसः, मुझे, ए० रागबेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० 123-डी मौन्ट रोड, मद्रास-6 है, जो में स्थित है (और इस उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-4-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूर्स विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के 20 शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

क्षतः, अब, धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती 1, परस्काउर, (2) काठा देवी और नवराट्नकाउर, मद्रास (अन्तरक)

(2) एम० अब्दुल अजीज निंदुर, तन्जाऊर जीला (अन्तरिती)

(3) (2) किवराज आटोमोबैल्स और पे एण्ड एक्राउन्टस अफिस (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

सम्बोधकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

मद्रास 6, मौन्ट रोड डोर सं० 123-डी में एक ग्रउन्ड और 2315 स्क्युयर फीट—ग्राउण्ड और पहला फ्लोर।

ए० रागबेन्द्र राव
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकृत निरीक्षण
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 19-10-74

मोहर :

प्ररूप श्राई० टी० एम० एस०—

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मण्डार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, का कार्यालय, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 नवम्बर 1974

निर्देश सं० ए०सी०क्य०/23-1-176 (96)/1-1/74-75—

यतः, मुझे, जे० कथूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० फायनल प्लाट नं० 156, सब-प्लाट नं० 4, टी पी० एस० नं० 3, है, जो शेखपुर-खानपुर, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-4-1974 को पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोत्तम सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ड्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

ओर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोत्तम सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) 1. श्री हरगोवनदास शीवराम पंचाल,
2. श्रीमती चपाबेन हरगोवनदास पंचाल,

3. श्री सुबोधचंद्र हरगोवनदास पंचाल

4. श्री हसमुखलाल हरगोवनदास पंचाल,

बंगला नं० 4, नवरंग पुरा, हाइकोर्ट के सामने, अहमदाबाद-14। (अन्तरक)

(2) 1. श्री पालीराम मदनलाल (2) श्री रामप्यारी पालीराम, मंगल भुवन, शेठीय बिलिंग के निकट, कडीप्रा कुर्ह, रीलीफ रोड, अहमदाबाद। (अन्तर्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तम सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोत्तम व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति जिस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षयों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोत्तम दरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षयों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्वल्पीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभादित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जो 644 वर्ग गज भूमि पर स्थित है, और जिसका फायनल प्लाट नं० 156, सब-प्लाट नं० 4, तथा टी० पी० एस० नं० 3 है, और जो शेखपुर-खानपुर, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया,
सक्षम प्राधिकारी,

तारीख: 4-1-1974 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
मोहर : अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

प्रख्य आई० टी० एन० एस०—————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, तारीख 6 दिसम्बर 1974

निदेश सं० 1073/74-75—यतः, मुझे ए० रागवेन्द्र शर्व आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 93, बेंकटाचल मुदलि स्ट्रीट, मैलापुर, मद्रास-4 है, जो में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 अप्रैल 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विसेष के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह दिश्वास करने का वायर है कि दृश्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तयों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविहिए था, छिपाने लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961, (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5-396GI/74

(1) श्री टी० के० कामेस्वरन, मद्रास 14 (अन्तरक)

(2) श्री एम० मोहम्मद अलि, मायुरम (तंजाऊर ज़िल्ला) (अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रत्यक्षी

मद्रास 4, मैलापुर, बेंकटाचल मुविल स्ट्रीट डोर सं० 93 में
1 ग्राउण्ड और 2233 स्कुनर फीट का भूमि (मकान के साथ)
जिसका आर० एस० सं० 1728/7

ए० रागवेन्द्र शर्व
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख 6-12-74

मोहर :

प्रलृप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 कार्यालय भोपाल
 तारीख 12-12-74

मिशेश सं० एस० आर०/भोपाल/29-4-74—प्रत, मुझे
 एम० एफ० मुझी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961
 का 43) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
 विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित
 बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
 और जिस की स० प्लाट नं० 25 अरेंज कालोनी भोपाल मिथ्या
 है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है),
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में भारतीय रजिस्ट्री-
 कृत अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-4-74
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है
 और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
 का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
 प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
 (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया
 गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
 उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
 गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
 (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना।

और यह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपशास्त्र (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रामेश्वर प्रसाद मार्मा पुजा श्री मार्कन लाल शास्त्री
 निवासी लक्ष्मी टाकीज रोड भोपाल। (अन्तरक)
 (2) श्री मुकेश गप्ता द्वारा श्री जैव देव गप्ता द्वारा श्रीमती
 कृष्णा गुप्ता निवासी नवाबगाज फहड़ाबाद (भू० फी०)
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
 एतद्वारा कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाहर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किसे गये आक्षेप, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियम किये जावेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त विरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकाद होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी स्थित सहापुर जोन ९ कैर्पेटल प्रोप्रेजेक्ट हूबीगांज रेलवे स्टेशन के पास प्लाट नं० २५ का हिस्सा विलास नं० ६३II ग्रोरा कालोनी भोपाल

एम० एफ० मुझी
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 12-12-74

मोहर :

प्रलेप भाई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ४३—(1)

के अधीन सूचना

भारत सरकार

संघीय, संघायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भौत रेज II, मद्रास

मद्रास, तारीख 19-10-74

निवेश सं० 1080/74-75—पेत०, भुजे, ए० रागवेन्द्र राव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 123 डी० भौत रोड, मद्रास-६ है, (और इससे
उपर्युक्त अनुसूची में भी पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय, टी० नंगर मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-4-74
को पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित धारा भौत रोड
से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और भुजे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति को उचित बाजार
भौत, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरिक (अस्त-
रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया
जाये ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण विवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या ;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर, बनाना ।

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अधीन 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए
गए हैं।

अतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-वा के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वा की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) (1) श्रीमती परस्काऊर (2) कान्ता देवी और
नवरेट्काऊर मद्रास (अन्तरक)

(2) तासुकदा, निंदुर, तन्जाऊर जिला (अन्तरिती)

(3) मे और एकाउन्ट्स अफिस (वह व्यक्ति, जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में छित्रबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत
किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि त्वर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती वैरा के अधीन सूचना दी गई है,
आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

मद्रास-६ मौन्ट रोड डोर सं० 123-डी में चौथा फ्लोर।

ए० रागवेन्द्र राव,
सक्षम प्राधिकारी
संघायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज II, मद्रास

तारीख : 19-10-74

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
सहायक आयकर प्राधिकरण (निरीक्षण),
प्रर्जन रेज-1 मद्रास का कार्यालय
दिनांक 11 दिसंबर 1974

निर्देश सं० 9/1/5/74-75—यतः, मुझे के० बी० राजन, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 64, है जो लिंगी चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1974, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सी० ओ० जीवरत्नम्माल और आदि 239, लिंगी चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1 (अन्तरक)

2. सैयद मोहम्मद और आदि, कायलपट्टनम, तिरुनेलवलि जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए उत्पद्धारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

उत्पद्धारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियम किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसमें ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिक्षी को दी जाएगी।

उत्पद्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों पक्षों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-1, लिंगी चेट्टी स्ट्रीट डोर सं० 64 में 1533 स्क्यूर फीट का भूमि और मकान।

के० बी० राजन,

सकम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्राधिकरण (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज I, मद्रास

दिनांक : 11-12-1974

मोहर :

प्रृष्ठ आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद का कार्यालय

दिनांक 6 नवम्बर 1974

निवास सं० ए० सी० क्य० 23-1-172(97)/1-1/74-75—यत., मुझे जै० कथूरिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व के अधीन सधम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे० नं० 45, सैसस नं० 45/2, एफ० पी० नं० 123, टी० पी० एस० नं० 19 है, जो अहमदाबाद में स्थित है (आंग इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-4-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना :

और यस; आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री कांतीलाल भणीलाल गोर, अपने लिए तथा निम्नलिखित व्यक्ति के मुख्यतयार

(अ) श्रीमीष्टाबेन महेंद्र कुमार
(ब) जसुभतीबेन नवीनचंद्र,
(स) रमीबेन रसीकलाल,
(२) श्री श्रावोक्कुमार कांतीलाल गाव : पाटडी, तोलुका : दसाडा, जिला : सुरेन्द्रनगर (अन्तरक)

2. कुसुमबेन हसमुखलाल, परबडीनो खाचो, असारखा, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जो 425 बर्ग गज भूमि पर स्थित है और जिसका सर्वे० नं० 45, सैसस नं० 45/2, फायनल प्लाट नं० 123 तथा टी० पी० स्कीम नं० 19 है और जो अहमदाबाद में स्थित है।

जै० कथूरिया,
सधम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक: 6-11-1974

मोहर:

प्रारूप आई०टी०एम०एस०

आद्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
आरा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)

अर्जन और ॥ मध्यास

मद्रास, तारीख ६ १२-१९७४

निवेदा सं० 1053/74-75—यत मुझे, ए० राग्येन्द्र राव
 आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
 की धारा 269-ख के अधीन सभम अधिकारी को यह
 विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
 जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
 और जिस की सं० 54-डी बेलर्फैट रोड, मद्रास-32 है, जो
 मेरि स्थित है (और इससे पाबद्ध मेरी और पूर्ण रूप से बणित है)
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सैदापेट, मद्रास मेरी भारतीय
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
 9-4-74 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित भाजार मूल्य से
 कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
 अन्तरिक की गई है और मुझे यह किश्वास करने का कारण है
 कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित भाजार मूल्य उसके दृश्यमान
 प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत अधिक है
 और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिकी (अन्तरिक्तियों)
 के बीच सब पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
 लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप
 से किया नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बावजूद आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अस्तरक के कायदित में कभी करने या उससे बचने के लिए सकर बनाना; और/या

(क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आंदोलन कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-चाली शरू करने का कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन स्पष्टलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमदोमीनिष्ठाय और कुन्ति मध्यास (अन्तरक) ।
 (2) यनियन सेदर कम्पसी, भद्रांस-3 (अन्तरक) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्णकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतत्पुरारा कार्यवाहिया शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रसि आज्ञेप; यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बात में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पर्क में हितकर किसी अन्य व्यक्ति, जारा सधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ऐतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थानिर
सम्पत्ति के अंजन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आवेदों
यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसमें ऐसा आदीप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिक्षी को दी जाएगी ।

एतेषु द्वारा आगे थह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्तिको, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अद्विन सूचना दी गई है, आवश्यकीय सम्भावित के समय सुने जाने के लिए अधिकार होता।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के में यथापरिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ଅମ୍ବାତ୍ମି

मध्यास-32, वेस्टबेरि रोड ओर सं० ५४-डी में नी प्राउथव का भूमि (मकान के साथ) जिसका टी० एस० सं० तीन, टी०कि सं० १५।

एज० रागथेन्द्र राज,
सजम प्राधिकारी
सहायक और्योक्तर भाष्यक (निरीक्षण),
प्रार्जन रेज ॥ मद्रास ॥

तारीख : ६-१२-७४

मोहर ३

प्राप्त अर्थ दी० एम० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, तारीख 27 नवम्बर, 1974

निदेश सं० 1074/74-75—यतः, मुझे ए० रागवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269, के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वालार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 3-बी और 3-सी, घिन्नस रोड, मद्रास-24 है, जो मैं स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), अजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-4-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वालार मूल्य से कम के वृश्टमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरितकी गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वालार मूल्य, उसके वृश्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अस्तरक (अस्तरकों) शीर्ष अस्तरिक्षी (अस्तरिक्षियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अस्तरण के लिए प्रतिफल, भिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वालत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन-या अन्य अस्तियों को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाली शुक करने के कारण मेरे द्वारा अस्तरिक्षित किए गए हैं।

यतः, मैं, धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती 1. के० जयलक्ष्मी, 2. श्री के० अशोकन; 3. श्री के० वासुदेवन और 4. श्री के० पत्मनाथ (अस्तरक)

(2) 1. श्री टी० महेसन, 2. श्रीमती पुनितवति और घोरीसन (मैनर) (टी० महेसन के द्वारा। (अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि-या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेप; यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अस्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्तीं पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों और सुनवाई के समय सुनें जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-28 घिन्वेस रोड डोर सं० 3 “बी” और 3 “सी” में भूमि (मकान के साथ) (जिसका आर० एस० सं० 3958/ भाग)

ए० रागवेन्द्र राव,
सकाम प्राप्तिकारी,
सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख: 27-11-74

मोहर :

प्ररूप शार्दूली० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास तारीख 2-11-1974

निदेश सं० 1063/74-75—यतः मुझे ए० रागवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है और जिस की सं० 62/2, मौज़ेस रोड, मद्रास-18 है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्णरूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, मैलापुर, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 5-4-1974 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के प्रभासार अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ यापा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धार्मिक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

ग्रोग यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

भासः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) पि० मुहम्मदमानिकम, पि० एम० मानिकम, पि० एम० वेनकतस्वामी, पि० एम० राममूर्त 62, मौज़ेस रोड, मद्रास (अन्तरक)

(2) श्री सी० एन० वेंकटस्वामी 62/2, मौज़ेस रोड, मद्रास (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसदूवारा कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किए जाएंगे अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मांगेंगे।

एतदूवारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उसर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसमें ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अंतरिती को दी जाएगी।

एतदूवारा ग्रामे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वतीर्ती वैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित ह वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसंधानी

मद्रास-18, मौज़ेस रोड डोर सं० 62/2 में 4 ग्राण्ड और 824 स्क्युयर फीट का भूमि (मकान के साथ)

ए० रागवेन्द्र राम,
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II मद्रास।

तारीख : 2-11-1974

मोहर :

प्रख्युप आई० टी० एन० एस०————

शामजी पटेल, "पितृथाया", 16-भोजराजपरा, गोडल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धा

(2) मै० रूपाणी आईल मिल्स की ओर से—

मैनेजिंग भागीदार :

श्री प्रभुलाल जेठाभाई रूपाणी

श्री जिवलाल जेठाभाई रूपाणी, 15-भोजराजपरा, गोडल ।

(अन्तरिती)

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालज, सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1974

निर्देश सं० ए०सी०क्य०/23-1-350(100)/16-2/74-75
 —यतः मुझे, जे० कर्बूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे० सं० 364, प्लाट मूल्य से अधिक है और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गोडल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-4-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से अ०म के अधीन अन्तरित कृत विलेख । तुम्हारा अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तकिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूरी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना और या;

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4) 3 के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वेश्वी वशराम माधवजी पटेल और भगवानजी
 6-396 CI/74

मैनेजिंग भागीदार :

श्री प्रभुलाल जेठाभाई रूपाणी

श्री जिवलाल जेठाभाई रूपाणी, 15-भोजराजपरा, गोडल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित में किए जा सके।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती ऐसा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समव सुने आने के लिए अधिकार होगा।

सम्बोधकरण :—इसमें प्रवक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति प्लाट तथा मशीनरी सहित जो "कृष्ण आईल मिल्स" के नाम से जात है, और जिसका क्षेत्रफल 575-5 वर्ग गज है और जिसका सर्वे० सं० 364, प्लाट न० 19 है और जो भोजराजपरा, गोडल जिला राजकोट में स्थित है।

जे० कर्बूरिया,
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण),
 तारीख: 8-11-1974 अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद
 मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

प्रजन्म रेंज II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 11 प्रक्तृबार 1974

निर्देश सं० 163/ए० सी०क्य०/23-168/7-4/74-75—

यतः मुझे पी० एन० मित्तल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 9, टीका नं० 16, हां० नं० 52 और 53, वाडे नं० 2 हैं, जो जुना थाना, लुन्सी कुई रोड, नवसारी जिला बलसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्वोक्त से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, नवसारी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-4-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए अन्तरारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती जौन मासेउन और श्री जेम्स एम० मेहता उर्फ जहांगीर मेहरवानजी मेहता, अपने मुख्त्यार श्री रस्तम मेहरवानजी मेहता द्वारा (अन्तरक)

(2) श्री जीवनभाई प्रेमाभाई पटेल और रणछोड़भाई प्रेमाभाई पटेल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाबू में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी हर सूचना ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फिरोज विला नामक अचल सम्पत्ति (जमीन व भकान) वाडे नं० 2, टीका नं० 16, सर्वे नं० 9, म्य०हाउस नं० 52 और 53 जिसका क्षेत्रफल 419 वर्ग मीटर है और जो जुना थाना, लुन्सी कुई रोड, नवसारी जिला बलसार में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकृत प्राधिकारी, नवसारी को अप्रैल, 1974 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 588 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
तारीख: 11-10-1974।
मर्जन रेंज, अहमदाबाद।
मोहर :

प्रस्तुत आई० ई० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक, 1 नवम्बर 1974

निर्देश सं० 166/ए० सी० क्य० 23-239/15-3/74-75—
यतः, मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे० नं० 467, एन० ए० लेण्ड, 3 एकर 2 गुंथा है, जो हालोल (जिला पञ्चमहाल) में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलोल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-4-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और यह कि अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा यामा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निर्मलिति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब व्यापक 269-घ के अनुसरण में मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-घ की उपधारा (1)

के अधीन निर्मलिति व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री/श्रीमती/कुमारी शारदायेन भीखीभाइ मंगलभाइ पटेल की विधवा तथा दून्य पाटीदार फालिया, हालोल (जिला पञ्चमहाल) (अन्तरक)
2. जागृति को० ओपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी की ओर से प्रुसक—
 1. प्रमुख दिलीपकुमार माधवदास शाह
 2. सेक्रेटरी : बिहारीभाइ मगनलाल पटेल हालोल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसडूबारा कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियम किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एन० ए० लेण्ड जिसका सर्वे० न० 467 है जो हालाल, जिला : पञ्चमहाल में स्थित है और जिसका क्षेत्रफल 14762 वर्गगज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हालोल के 28-4-1974 के रजिस्ट्री कृत विलेख न० 332 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II अहमदाबाद।

दिनांक : 1-11-1974

मोहर :

प्र० श्र० आई०टी०एम० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक, 28 अक्टूबर 1974

निर्देश सं० ए० सी० क्य० 23-1-173/1-1/74-75—यतः,
मुझे जे० कथूरिया आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की भारा 269-व के अधीन
सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी
सं० फायनल प्लाट नं० 217, सब प्लाट नं० 6 (दक्षिण
दिशा) टी० पी० एस० न० 20 है, जो कोवरम, अहमदाबाद में
स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
23-4-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
संय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है:—

(क) अन्तरण से हृष्ट किसी आय की आवत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी/किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
या, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के
अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 268-व के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री भरतकुमार छोटाभाई पटेल की ओर से पावर आफ
अटोर्नी—जयन्तीभाई शंकरभाई पटेल, सरदार पटेल नगर, नवरंग-
पुरा अहमदाबाद (अतरक)

2. (1) श्री तेजकरण भंवरलाल लुणिया, तेजकरण भंवर
लाल हिन्दु-अविभक्त कुटुंब की ओर से, सरदार पटेल नगर, नवरंग
पुरा, अहमदाबाद

(2) श्रीमती लक्ष्मीदेवी तेजकरण लुणिया
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो,
तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उक्त में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए अधिकार होगा।
स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कांचरव, अहमदाबाद में स्थित, खुली जमीन जिस का फायनल
प्लाट नं० 217 (दक्षिण दिशा में), सब प्लाट नं० 6, और टी०
पी० स्कीम नं० 20 है, और जिसका कुल क्षेत्र 551 वर्गगज है।

जे० कथूरिया,
सभम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I अहमदाबाद।

दिनांक : 28-10-1974

मोहर

प्रस्तुत गाइड टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास, दिवांक 8 नवम्बर 1974

निदेश सं० 1180/74-75—यतः, मुझे ए० रागवेन्द्र राव
आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग के अधीन सक्षम
प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 14/1 स्टर्लिंघ रोड, नौदिरि कालनि, मद्रास
है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपावड अनुसन्धी में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16 के अधीन 15-4-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के
लिए रजिस्ट्रीकरण के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
आजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों)
के बीच तथ्य पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना ; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धर्म या अस्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये
गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती ए० पार्वति सुब्बेया, मद्रास (अन्तरक)

(2) नौदिरि मिस० जे० मुत्या, मद्रास (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी एक व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में व्यापरिभाषित है, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अमुसूची

मद्रास, नौदिरि कालनि स्टर्लिंघ रोड, डोर सं० 14/1 मे
3 25 ग्राउण्ड का भूमि (मकान के साथ)

ए० रागवेन्द्र राव
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज II मद्रास

तारीख 8-11-1974

मोहर :

प्रूप जाई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, तारीख 21-11-1974

निदेश सं० XVI/18/1बी/74-75—यतः, मुझे के० वी० राजन, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सौतापुरम गांव, संकरि दुर्ग है, जो में स्थित है (और इससे उपावड़ में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, संकरि दुर्ग में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन प्रत्रैल 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेद के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) मुत्तु गोन्डर, राजपत्र, जगन्नातन और पलनिसामि मकिरिपालयम, सौतापुरम गांव (अन्तरक)।
(2) सिं० पलनिसामि, पुतुबलवु, सौतापुरम गांव (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसमें ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना की गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सौतापुरम गांव में सर्वे सं० 181/सी, 181/1बी, 179/2बी, 179/4बी, 180/3, 180/6, 181/1ए, 180/1, 181/1डी, 180/4, 179/4सी, 180/2, 180/5, 180/7, 179/2ए, 179/3, 154/3, 151/2ए, 151/2डी, 184/2, 151/2डी, 151/2सी, 154/2, और 154/1 का 6.75 एकर भूमि।

के० वी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, मद्रास।

तारीख : 21-11-1974।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस —————

भावद्वार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)

धर्मन रेंज बैगलौर

Acq. F. No. 130.—Whereas, I K. Subba Rao, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० R.S. No. 334 Door No. 1-22 Rice Mill situated at Brahmanagudem

बैगलौर-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण छप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी Nidadavole

में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-3-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और भुग्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे पारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपकारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात्:—

(1) S/s Garapati Subba Rao, 2. G. Munneswara Rao
3. K. Rama Rao and 4. K Sreenivas, 5 K. Satyanarayana, Brahmanagudem.

(Transferor)

(2) 1.S/s Datla Suryanarayana Raju, 2. Alluri Subbaiah, 3. Penumasta Sreecrama Krishna Prasad Raju, 4. Kalidindi Suryanarayana Raju, Brahmanagudem. (Transferee)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोसूत्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापकरणित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

West Godavari Dt.—Nidadavole—Sub-Regn.—Brahmanagudem—Rice Mill—R.S. No. 334—Door No. 1-22

BOUNDARIES

North—Land of Rawalayam etc.

East—Land of M. Venkamma etc.

South—Road and

West—Land of Pendyala Gunnayya

K. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 23-11-1974

Seal :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 नवम्बर 1974

निवेदा स० 1079/74-75—यतः, मझे ए० रागवेन्द्र राव
आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए के अधीन सक्रम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की स० 1ए, पहला स्ट्रीट, तिस्मूर्ती भगर, मद्रास-34 है,
जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपार्थ जनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर,
मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16 के अधीन 16-4-1974 को पूर्णकृत

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्ति
के लिए रजिस्ट्रीकरण विसेख के अनुसार अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपत्ति से, ऐसे दृश्यमान प्रति-
पत्ति का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अस्तरण से बुर्ड किसी भाग की बायकर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करने के
के अन्तरक के द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने के
लिए सुकर बनाना; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भाग या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्णकृत सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ए के अनुसरण में, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डॉक्टर मिस० जे० मुतेया, मद्रास-34 (अन्तरक)
(2) श्री एस० र० रहमतुल्ला और गम० गम० अंडीवा
हानम मद्रास-18 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृत्ताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हुर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्तीं पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

लघुकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-के यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-34, नुन्यम्बाकम, तिस्मूर्तीभगर पहला स्ट्रीट डोर स०
1ए में 3 ग्राउण्ड और 213ए स्क्युर फीट का भूमि (मकान के साथ)
जिसका ग्रार० गम० स० 131, और ज्लाट स० “सी”।

ए० रागवेन्द्र राव,
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज II मद्रास

तारीख 8-11-74

मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA

(Admn. Br. I)

New Delhi, the 2nd December 1974

No. F.6/29/72-SCA(1).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to appoint Shri G. K. Batra, a permanent Stenographer of the Research Design and Standards Organisation, Ministry of Railways, Lucknow, as a temporary Court Master in the Registry of the Supreme Court of India with effect from the forenoon of the 2nd December, 1974 until further orders.

T. K. MAHADEVA RAO,
Dy. Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 18th November 1974

CORRIGENDUM

No. A.32013/2/73-Admn.I.—The date shown in this office Notification of even number dated 4th October, 1974 regarding appointment of Shri N. K. Prasad, a permanent Officer of Grade I of the Central Secretariat Service to officiate in the Selection Grade of the service may be read as from 5-10-1974 to 28-2-1975 instead of from 5-10-1974 to 18-12-1974.

M. R. BHAGWAT,
Under Secy.
Incharge of Admn.

New Delhi, the 5th December 1974

No. A.32013/1/74-Admn.I.—Shri R. Pandit, a permanent Officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the Service *vide* this office Notification of even number dated the 7th August, 1974, relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of the 25th September, 1974.

2. On his reversion, Shri R. Pandit resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 25th September, 1974.

No. A.32013/1/74-Admn.I.—Shri T. N. Channa, a permanent Officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the Service and Under Secretary, Union Public Service Commission *vide* this office Notification No. A.32013/1/74-Admn.I, dated the 4th September, 1974 relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 3rd October, 1974.

2. On his reversion, Shri T. N. Channa resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 3rd October, 1974.

M. R. BHAGWAT
Under Secy.

New Delhi-110011, the 5th December 1974

No. A.32014/1/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Mehra, permanent Personal Assistant (Grade II of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission, to officiate as Senior Personal Assistant (Grade I of CSSS) in the same cadre on a purely temporary and *ad-hoc* basis for a period of 48 days with effect from 11-11-1974 to 28-12-1974.

2. Shri S. P. Mehra should note that his appointment as Senior Personal Assistant (Grade I of CSSS) is purely temporary and on *ad-hoc* basis and will not confer any title for absorption in Grade I of Central Secretariat Stenographers Service or for seniority in that Grade.

The 7th December 1974

No. A.32013/1/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri R. R. Shimray, permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for the period with effect from 6-10-74 to 26-12-1974 or till a regular officer joins, whichever is earlier.

The 13th December 1974

No. A.32013/1/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri J. V. Rao, a permanent officer of Grade I of the Central Secretariat Service to officiate in the Selection Grade of the Service for a period of 51 days with effect from 11-11-1974 to 31-12-1974 (both days inclusive).

No. A.32013/1/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri I. B. Gupta, a permanent officer of Grade I of the Central Secretariat Service to officiate in the Selection Grade of the Service for a period of 3 months with effect from 11-11-1974 to 10-2-1975 (both days inclusive) or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE
Under Secy.
Incharge of Admn.

CORRIGENDUM

New Delhi-110011, the 28th November 1974

No. A.26014/1/74-Admn.I.—For the words "Controller of Examinations" wherever occur in this office notification of even no. dated 21-11-1974 the words "Additional Secretary and Controller of Examinations" shall be substituted.

The 30th November 1974

No. A.12019/2/74-Admn.II.—In continuation of Union Public Service Commission's Notification of even number dated the 31st August, 1974, the Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Shri P. Chatterjee, a permanent Mechanical Tabulation Officer in the office of the Union Public Service Commission to officiate, on an *ad-hoc* basis, in the post of Director (Data Processing) in the office of the Union Public Service Commission for a period of three months with effect from the 29th November, 1974 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

The 5th December 1974

No. P/1827-Admn.I.—Dr. A. C. Mathai, formerly a Lecturer in Civil Engineering, in the College of Engineering, Government of Kerala, Trivendrum, has been appointed to the post of Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 18th November 1974, until further orders.

The 11th December 1974

No. A.12019/6/74-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri B. S. Jain, a permanent Selection Grade Officer of the C.S.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, and officiating as Section Officer on deputation from the C.S.S.S. cadre, in the Commission's Office, to officiate as Special Assistant to the Chairman, Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 27th November, 1974 to the 28th February, 1975.

Shri B. S. Jain will be on deputation to an ex-cadre post of Special Assistant to the Chairman, Union Public Service Commission and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O.M.No.F-10(24)-F.III, dated the 4th May, 1961, as amended from time to time.

P. N. MUKHERJEE
Under Secy.
for Chairman

New Delhi-110011, the 4th December 1974

No. A.11013/2/74-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri R. N. Khurana permanent Officer of the Section Officers' Grade of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officer (Special) in the Commission's Office with effect from 11th November, 1974 (F.N.) to the 28th February, 1975.

The appointment of Shri R. N. Khurana as Section Officer (Special) ex-cadre will be on deputation and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O.M.No.F.10(24)-S.III, dated the 4th May, 1961, as amended from time to time.

No. A.11013/2/74-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri B. S. Jagopota permanent Officer of the Section Officer's Grade of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officer (Special) in the Commission's Office with effect from 11th November, 1974 (F.N.) to the 28th February, 1975.

The appointment of Shri B. S. Jagopota as Section Officer (Special) Ex-cadre will be on deputation and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O.M. No.F.10(24)-F.III, dated the 4th May, 1961, as amended from time to time.

No. A11013/2/74-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri K. L. Katyal permanent Officer of the Assistants Grade of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officer (Special) in the Commission's Office with effect from 11th November, 1974 (Forenoon) to the 28th February 1975.

The appointment of Shri K. L. Katyal as Section Officer (Special) Ex-cadre will be on deputation and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O. M. No. F.10(24)-F.III, dated the 4th May, 1961, as amended from time to time.

No. A11013/2/74-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri J. P. Goel permanent Officer of the Section Officers' Grade of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officer (Special) in the Commission's office with effect from 11th November 1974 (F.N.) to the 28th February, 1975.

The appointment of Shri J. P. Goel as Section Officer (Special) Ex-cadre will be on deputation and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O.M. No. F.10(24)-F.III, dated the 4th May, 1961, as amended from time to time.

No. A.11013/2/74-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri S. K. Arora, permanent Officer of Assistants' Grade of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officer (Special) in the Commission's office with effect from 11th November, 1974 (F.N.) to the 28th February, 1975.

The appointment of Shri S. K. Arora as Section Officer (Special) Ex-cadre will be on deputation and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in Ministry of Finance O.M. No. F.10(24)-F.III, dated the 4th May, 1961, as intended from time to time.

The 7th December 1974

No. A.11013/2/74-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri H. R. Rishiraj permanent Officer of the Assistants' Grade of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officer (Special) in the Commission's office with effect from 11th November 1974 (Forenoon) to the 28th February 1975.

The appointment of Shri H. R. Rishiraj as Section Officer (Special) Ex-cadre will be on deputation and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in Ministry of Finance O.M. No. F.10(24)-F.III, dated the 4th May, 1961, as amended from time to time.

P. N. MUKHERJEE
Under Secretary
for Secy.

CABINET SECRETARIAT
(DEPTT. OF PERSONNEL & A.R.)
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION
New Delhi, the 5th December 1974

No. 11/6(5)/74-Adm.I(Vol.VI).—Dy. Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri Jai Karan, Officer of Rajasthan State Police, on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation, Special Unit Branch in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 11-11-1974, until further orders.

G. L. AGARWAL
Administrative Officer (E)
For Dy. Instr. Genl. of Police
Special Police Establishment

New Delhi, the 13th December 1974

No. D-2/70-AD V.—The services of Shri Dev Dutt, Deputy Supdt. of Police, C.B.I., Ambala are placed back at the disposal of Haryana State Police with effect from 4-1-1975 (AN).

The 16th December 1974

No. II-10/74-AD.V.—The President is pleased to appoint, on deputation Shri H. N. Sambharya, I.P.S. (1968-Tamil Nadu) as Supdt. of Police in the C.B.I./S.P.E. with effect from the forenoon of 4th December, 1974, until further orders.

The 16th December 1974

No. S-22/74-AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri S. R. Gupta, a deputationist Inspector from Maharashtra State Police as Dy. S. P. in the C.B.I. w.e.f. 22-11-74 (AN) until further orders.

G. L. AGGARWAL,
Administrative Officer (E) C.B.I.

Mussoorie, the 3rd December 1974

No. 236-L:SP.—Consequent on an insertion in Section 44, Sub section 6-Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, under the heading "(i) Class II Posts" in column 2, after the entry relating to serial number 3, "Class II Posts (non-gazetted)" notified in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3-Sub Section I dated 30-4-1974, the notification of Shri B. D. Tyagi, Private Secretary to the Director as Class II Gazetted officer notified in the Gazette of India, Part III-Section I dated 19-1-1974 at page 286, is hereby cancelled.

S. N. SETH
Assistant Director

ENFORCEMENT DIRECTORATE
(DEPARTMENT OF PERSONNEL

New Delhi, the 23rd November 1974

No A-11/56/74.—Shri S. D. Kohli, Inspector of Central Excise, Collectorate, Chandigarh is hereby appointed as Enforcement Officer in Jullundur Sub-Zonal Office of this Directorate with effect from 11-11-1974 and until further orders.

NRIHEN BAKSI
Deputy Director

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
CENTRAL TRANSLATION BUREAU

New Delhi, the

F. No. 11(1)28/72-Adm.—Shri Dev Lal, Senior Translator in the Central Translation Bureau is appointed to officiate as Translation Officer in the Bureau in leave vacancy w.e.f. 2-12-1974 to 31-1-1975 on ad-hoc basis.

GOVIND MISHRA
Director

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 3rd December 1974

No. 2/4/74-Adm.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri R. Ramachandran, permanent Assistant of the Central Vigilance Commission, as Section Officer in the Commission, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 2nd December, 1974 until further orders.

The 9th December 1974

No. 2/29/74-Adm.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri C. Krishnaswamy, an Assistant Engineer of the Central Public Works Department as Assistant Technical Examiner in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 3rd December, 1974, until further orders.

B. V. DIGHE
Under Secretary (Adm.)
for Central Vigilance Commissioner

FORM ITNS

(2) Rupani Oil Mills, through Managing Partners, Shri
Piabbulal Jethabhai Rupani,
Shri Shivilal Jethabhai Rupani,
15-Bhojrajpara, Gondal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 8th November 1974

Ref. No. Acq. 23-I-350(100)/16-2/74-75.—Whereas, I, I. Kathuria,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Survey No. 364, Plot No. 19, situated at Bhojrajpara, Gondal, Distt. Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gondal on 2-4-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Vashram Madhavji Patel,
Bhagwanji Shamji Patel,
"Pitruchnaya", 16, Bhojrajpara, Gondal.
(Transferees)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property including Plant & machinery known as "Krishna Oil Mills" with land admeasuring 575.5 sq. yds., bearing Survey No. 364, Plot No. 19 and situated at Bhojrajpara, Gondal, Rajkot. (District).

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated : 8-11-1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Raj Kumar Deorah, Zoo Road, Gauhati.
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 5th October 1974

No. A-71/Gau/74-75/2917-2922.—Whereas, I N. Pachauau being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Dag No. 635 and 636 K.P. Patta No. 179 and 39 situated at Vill. Maidom, Mouza-Beltola, Gauhati, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gauhati on 22-4-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gour Mohan Das Panbazar Gauhati.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4(lour) bigha covered by Dag No. 635 and 636, K. P. Patta No. 179 and 39 situated at Village Maidom, Mouza Beltola, Gauhati in Kamrup District of Assam State.

N. PACHUAU,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Date. 5-10-1974

Seal :

FORM JTNS

(2) Smt. Krishna Gupta w/o Shri Jaidev Gupta R/o Nawabganj, Distt. Farukhabad, U.P. now at Marwari Road Bhopal.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
Bhopal

Bhopal, the 12th December, 1974

No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 25 of Sector E-II, Area Colony in Shahpur Zone IX, Capital Project near Habibganj Railway Station, Bhopal situated at Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer of Officer at Bhopal on 29-4-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Makhamal Shashtri S/o Pt. Keshorilalji R/o Village Khalor Distt. Buland Shahar U.P. now at Jain Mandir Road, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereon shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 25 of Sector E. II Area Colony in Shahpur Zone IX, Capital Project near Habibganj Railway Station, Bhopal.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Dated 12-12-1974

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(2) 1. Maheswar Das
2. Baneswar Das
3. Phatia Ch. Das
4. Gopeswar Das of Goral,
Mouza Ramcharani, Gauhati.

(Transferee(s))

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 28th October 1974

No. A-74/Gau/74-75/3148-3156.—Whereas, I, N. Pachauau, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Dag No. 345, M. Patta No. 114 situated at Beltola Mouza of Village Hatigar, Gauhati (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gauhati on 10-4-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such, apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or any other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Ramchandra Mistri, Rehbari, Gauhati
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3(three) bigha covered by Dag No. 345, M. Patta No. 114 situated at Beltola Mouza of Village Hatigar, Gauhati, in Kamrup District of Assam State.

N. PACHUAU,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Shillong.

Date : 28-10-1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Ivanbhai Premabhai Patel, Ranchhodhai Premabhai Patel
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 11th October 1974

Ref. No. PR.163 Acq.23-168/7-4/74-75.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sur. No. 9 Tika 16, H. No. 52 and 53 Ward No. 2 situated at Junathana Lunsi-Kui Road, Navsari—Dist. Bulsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 5-4-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Weal-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Rustom Meherwanji Mehta Constituted Attorney for (1) Mrs. Joan Marsden.
- (2) James M Mehta alias Jehangir Meherwanji Mehta.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof, shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property (land and building) known as 'Piroj Vill.' in Ward No. 2 Tika 16 Sur. No. 9 Mun. House No. 52 and 53 situated at Junathana Lunsi-Kui Road, Navsari Dist. Bul ar admeasuring 419 Sq. Meters as mentioned in the registered deed No. 588 of April 1974 of the Registering Officer, Navsari.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 11-10-1974.

Seal.

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 4th December 1974

No. AP.199/IAC AR-IV/74-75.—Whereas, J. G. S. Rao, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range IV, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 'R' situated at Mulund (W), (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 29-4-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And wherens the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Lalji M. Patel & Others, I.T.S. Cottage, Ram Ratan Trivedi Road, Mulund, Bombay-80.
(Transferor)
- (2) Shri Lalji H. Ramani & Others, Ramani & Co., Jadhavji Hardas, C-1, Bawa Pardumansingh Bhavan, Mulund, Bombay-80.
(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of vacant land or ground bearing Plot No. 'R', situate at Mulund (West), in the Registration Sub-District of Bandra, formerly in the Bombay Suburban District, now within Greater Bombay, admeasuring 1246.33 sq. yds. and registered in the books of the Collector of Land Revenue under Survey No. 306(Pt) and Survey No. 307, H. No. 1 (Pt) and assessed by the Assessor & Collector of Municipal Rates & Taxes under T-Ward No. 2508(2), Division 'B' and bounded as follows :—

That is to say, on or towards the east by the property of Gordhandas T. Mangaldas, on or towards the west by the property of the Panjrapole and on or towards the North by the property of Jayantilal M. Bhuta and others, bearing S. No. 304 and on or towards the south by the property belonging to Gokuldas M. Shahs and another.

G. S. RAO,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date : 4-12-1974

Seal.

FORM ITNS—

(2) M/s Union Leather Co., 9/A, Vepery High Road, Periamet Madras-3.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-2,
MADRAS-6

Madras-6, the 6th December 1974

No. F. 1053/74-75.—Whereas, I, A Raghavendra Rao, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 54-D, situated at Velachery Road, Madras-32 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registrar, Madras on 9-4-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) 1. Smt. Mani Bai, No. 3, Lakshmi St., Madras-10; and
2. Smt. Kunthi,

(Transferor)

8—396GI/74

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immoveable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (with building) admeasuring 9 grounds and bearing T.S. No. 3 situated at No. 54/D Velachery Road, Madras-32.

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2, Madras-6.

Date : 6-12-74

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Muthu Gounder, Rajuppan, Jegannathan & Palanisamy, Makkiripalayam, Saudhapuram village. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Venkatajalam, Makkiripalayam, Saudhapuram village. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE II, MADRAS-6

Madras-6, the 21st November 1974

Ref. No. F. XVI/18/1A/1974-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. as per schedule situated at Saudhapuram village, Sangamgiri S.D., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Sankari Durg on April, 1974 apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated to the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Punja lands measuring about 6.75 acres in S. No. 181/18, 181/1B, 179/2B, 179/4B, 180/3, 180/6, 181/1A, 180/1, 181/1D, 180/4, 179/4C, 180/2, 180/5, 180/7, 179/2A, 179/3, 154/3, 151/2A, 151/2D, 184/2, 151/2B, 151/2C, 154/2 and 154/1 situated in Saudhapuram village.

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6,
Date : 21-11-1974
Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Ishwardas H. Bhatia, 101-102, Commerce House, 14, Nagindas Master Road, Bombay-1.
(Transferor)

(2) Sanskar Co-op. Premises Society Ltd., 53, Hirachand Desai Road, Ghatkopar, Bombay-86.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY-20

Bombay-20, the 1st October 1974

Ref. No.AP.187/IAC. AR-IV/74-75.—Whereas, I, G. S. Rao, being the Competent Authority under Section 269B Being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 53, T.P.S. II, situated at Ghatkopar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

Bombay on 5-4-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground situate lying and being at Ghatkopar and bearing final Plot No. 53 of the T.P.S. II in the Registration Sub-District of Bandra, Ghatkopar, together with the structure thereon known as Sanskar Buildings (A, B & C) admeasuring in all about 1847 sq. mts. and bounded on the north by Bombay Aga Road, South by final plot No. 53/A, east by Hirachand Desai Road, and west by the property of Shanakvasti Jain Conference.

G. S. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 1-10-1974

Seal.

FORM ITNS—

(2) Sri Kolla Veera Raghavaiah S/o Sri Venkata Shivaiah Chilakaluripeta, Guntur Dt.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 23rd November 1974

Ref. No. Acq. File No. 134/CTR.—Whereas, I, K. Subba Rao, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 4-5-14 situated at D. No. 15/C.D Ring Road Koritepadu, Guntur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Guntur in April 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) S/s Konagalla Srimannarayana and Anjanavulu. Nehru Nagar, Guntur.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Guntur District—Guntur Sub-Registration—Guntur Municipality—Guntur Town—Koritepadu—Door No. 4-5-14, D. No. 15/C.D. Ring Road.

BOUNDARIES—

East—Compound Wall 663 Mtrs. purchased from Sri Kotari Appaia's Bungalow;

South—151 Links Ring Road and leading this Road to Gujjanagundla.

West—Lane and bungalow of Sri Kotturi Ramalah and Sri Karpurapu Rama Krishna Murthy,

North—Building and one acre of land belonging to Sri V. Bapi Reddy etc.

K. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 23-11-1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 1st November 1974

Ref. No. PR.164 Acq. 23-172/13-10/74-75.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Factory Building, Plant & Machinery situated at Dakor—Dist. Kaira, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thasra on 25-4-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) S/Shri Shankerbhai Somabhai Patel; Bhagubhai Muljibhai Patel, Smt. Kamlaiben wd. of Muljibhai S. Patel, Manubhai Shankerbhai Patel—Partners of M/s. Mahalaxmi Cotton Ginning & Pressing Factory Dakor before transfer.

(Transferors)

(2) S/Shri Pramodbhai Mangalbhai Patel; Hasmukhbhai Mangalbhai Patel; Dahyabhai Pursottamdas; Raojibhai Dahyabhai; Hitendra Harishchandra (minor) through his guardian Harishchandra Ambalal Patel; Ambalal Pushottamdas—partners of M/s. Mahalaxmi Cotton Ginning & Pressing Factory, Dakor (After transfer).

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property comprising of land, building, plant & machinery known as Mahalaxmi Cotton Ginning & Pressing Factory, Dakor and fully described in Sale Deed registered under Registration No. 160 dated 25-4-1974 by Registering Officer, Thasra.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated : 4-11-1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Narsi Bhai Patel S/o Shri Dwarka Das Patel,
R/o 27/755/6 Ram Avtar Colony Jhansi Road,
Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 12th December 1974

No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 27/755/6 situated at Ram Avtar Colony Lashkar, Gwalior situated at Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gwalior on 10-4-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hirajal Arora S/o Shri Gokal Chand Arora, R/o Madho Ganj Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 27/755/6 situated at Ram Avtar Colony Lashkar, Gwalior.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 12-12-1974.

Seal:

FORM ITNS

(1) Shri T. K. Kanieswaran, No. 37, Royapettah High Road, Madras-14.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-2, Madras-6

Madras-6, the 6th December 1974

No. F. 1073/74-75.—Whereas, I, A Raghavendra Rao, being

Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at 93, Venkatachala Mudali Street, Mylapore Madras-4,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mylapore, Madras on April 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(2) Shri M. Mohammed Ali, S/o Shri K. P. Mohammed Ussain, New Street, Sankaran Pandal, Mayuram (Tanjore Dt.)
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1 Ground & 2233 Sq. ft. (with building) and bearing R.S. No. 1728/7 situated at Door No. 93, Venkatachala Mudali Street, Mylapore, Madras-4.

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range-2, Madras-6

Date : 6-12-1974

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ratan Mikir, Kahilipara, Gauhati.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 7th October 1974

Ref. No. A-73/Gau/74-75/2899-2904.—Whereas, I, N. Pachuaau

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dag No. 250, K. P. Patta No. 12 situated at Village Kahilipara, Beltola Mouza, Gauhati (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Gauhati on 10-4-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(2) Shri Upendra Kumar Bora, Chandmari, Nizrapar, Gauhati.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to carry every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4(four) bigha, 3(three) kattas and 7(seven) lechas covered by Dag No. 250 K.P. Patta No. 12 situated at Village Kahilipara, Mouza Beltola, Gauhati in Kamrup District of Assam State.

N. PACHUAU,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Date: 7-10-1974

Seal.

FORM ITNS—

(1) Shri Narendra Singh S/o Raja Kalyan Singh,
R/o Bhinai at present resident of Adarsh Nagar,
Ajmer.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 31st October 1974

Ref. No. A-4/74(8)22/593.—Whereas, I. V. P. Mittal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43

of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Bhinai House situated at Ajmer, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ajmer on 26-4-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

9—396CT/74

(2) Shri Sattar Khan S/o Shri Akbar Khan,
R/o Village Khanpura Teh. & District Ajmer.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of the property consisting of open land & construction area bearing No. AMC No. X/461 known as Bhinai House, Jaipur Road, Ajmer.

V. P. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 31-10-1974.

Seal :

FORM JTNS—

(1) Shrimati Savantravva Trappa Ayutti,
Makangalli, Gadag.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, METRANI BUILDING,
VIDYA NAGAR HUBLI-21

HUBLI-21, the 18th November 1974

No. 66/747/H.Acq.—Whereas, I, R. Parthasarathy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hubli, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. No. 416/1+2A+2B/1 situated at GADAG (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed, registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at GADAG Under Document No. 241 on 29-4-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(2) Shrimati Ramabai Parashuramsingh Rajput,
Vakkalgeri ONI, Gadag.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Lands Bearing R.S. No. 416/1+2A+2B/1 measuring 19 Acres and 13 Gunthas situated at Gadag.

P. PARTHASARATHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hubli.

Date: 18-11-1974.
Seal:

FORM ITNS

(1) Shri Harjee Bhai S/o Shri Raja Bhai Patel,
Bhagwan Ward Ganj, Teh. Sagar, M.P.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(D) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF THE INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 12th December 1974

No. IAC/ACQ/BPL/74-75—Whereas, I, M. F. Munshi, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing land situated in Lalai Tori, Teh. Distt. Sagar, No. 443 H. No. 79, Bhagwan Ward Ganj, Sagar situated at Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar on 3-4-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(2) Shri Purushottam Bhai Jora Bhai & Co.,
Sagar Managing Partner Shri Ummed Bhai S/o
Shri Mangal Bhai Patel, Katra, Sagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated in Lalai Tori, Teh. & Distt. Sagar No. 443, H. No. 79, Bhagwan Ward Ganj, Sagar.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal,

Date: 12-12-1974,

Seal:

FORM ITNS

(2) Shri Shyam Rao S/o Natavan Madankar Teli
R/o Village Pipla, Sausar, Chhindwara.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION (1) OF THE INCOME TAX

ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF THE INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 12th December 1974

No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated in Village Pipla, B. No. 248 Teh. Sausar, Distt. Chhindwara situated at Chhindwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chhindwara on 30-4-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Thakur Narayansingh
S/o Thakur Govindsinghji. Bisen, Rajput,
R/o Village, Pipla, Teh. Sausar, Distt. Chhindwara.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

House situated in Village Pipla, B. No. 248 Teh. Sausar, Distt. Chhindwara.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal,

Date 12-12-1974.

Seal :

FORM ITN—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF THE INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 12th December 1974

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

No. JAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the Competent Authority under section 269-D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House plot No. 29/26 situated on Block No. 16, Civil Lines, Raipur situated at Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Raipur on 11-4-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Deenanath Arora S/o Shri Sohanlal Arora, R/o Ahmed Bhai Colony, Baijnathpura, Raipur.

(Transferor)

(2) Smt. Renuka Gangoli W/o Shri Hareshkant Gangoli, 2, Smt. Leela Gangoli W/o Shri Bhavesh Kant Gangoli R/o Budhapura, Raipur.

(Transferee)

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House plot No 29/26 situated on Block No 16, Civil Lines, Raipur.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal,

Date : 12-12-1974.

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 9th December 1974

No. F. IX/3/25/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 34 situated at Katchaleswarar Agraharam, Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at ISR.II, Madras on April 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri N. Balasubramanian & others, 190, N.S.C. Bose Road, Madras-1.
(Transferor)
- (2) M/s. Velavar Palayakat Co., (P) Ltd., 46, Linghi Chetty St., Madras-1.
(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building measuring about 3998 sq. ft. situated at door No. 34, Katchaleswarar Agraharam Madras-1.

K. V. RAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 9-12-1974.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Haji Sheikh Gulab S/o Sheikh Abdul Musalman, R/O Near Shri Sethar, R.T.O. Agent, Diwanchipura, Chhindwara.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 12th December, 1974

No. IAC/ACQ/BPI/74-75.—Whereas, I, M.F. Munshi, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House and Saw Mill constructed on plot area 7500 sq. ft. at Chhindwara, situated at Chhindwara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of at Chhindwara on 17-4-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Mathuraprasad S/o Cajraj Vishwakarma, R/o Chhota Talab, Chhindwara.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and Saw Mill constructed on plot area 7500 sq. ft. at Chhindwara.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Dated : 12-12-1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Mrs. Zulaika bivi alias Mypauh, W/o Shri Abdur Azeez, 3-B Elams Road, Madras-18.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II, MADRAS-I.

Madras-6, the 19th October 1974

No. F. 1080/74-75.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 123-D situated at Mount Road, Madras-6, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

T. Nagar, Madras on 24-4-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Paraskavur; Mrs. Kanta Devi and Mrs. Navaratankavin; 36, General Muthiah Mudali St, Madras-1.

(Transferor)

- (2) Pay & Accounts office; Director of Treasuries.
(Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

II & III Floors of the building and premises No. 123-D, Mount Road, Madras-6 together with 1/3rd share in the Ground conveyed under this Sale Deed (Document No. 628/74)

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range-II,
Madras-6.

Date : 19-10-1974

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kichangopal S/o Shri Ratanlal Kakani 74,
Sitalamata Bazar, Indore.
(Transferor)

(2) Shri Transukhlal S/o Shri Jagannath Kakani, R/o
Village Kamargaon, Distt. Akola, Maharashtra
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.

Bhopal

Bhopal, the 12th December, 1974

No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I. M. F. Munshi, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Municipal House No. 1/2 portion situated in Sital Mata Bazar, Indore, situated at Indore.

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at Indore on 3-4-1974

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

10—396GI/74

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice hereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal House No. 1/2 portion situated in Sital Mata Bazar, Indore.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Dated 12-12-1974

Seal.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-6, the 11th December 1974

No. F.XVI/1(1)/1B/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1.50 acres situated at Kalarampatty, Salem Dt., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSR 1, Salem on April 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) M/s K. Muthuswamy & Balakrishnan, Sandhapuram Rasipuram, Salem Dt.,
(Transferor)
- (2) Smt. Govindammal, Kalarampatty, Salem Dt.,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Punja lands measuring about 1.50 acres at Kalarampatty village, Salem District.

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 11-12-1974

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Natwarlal S/o Mathuradas Baniye, R/o Rajpura of Burhanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sheikh Mohd. S/o Sheikh Hasan Musalman, C/o Garib Nawab Transport, Shanwara Burhanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 12th December 1974

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I, M.F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. agricultural land situated at Village Patonda, Teh. Burhanpur alongwith one house, trees, well and Electric Motor Pump etc. Situated at Burhanpur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur on 3-4-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor and the transferee has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Village Patonda, Teh. Burhanpur alongwith one house, trees, well and Electric Motor Pump etc.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Dated : 12-12-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th November 1974

No. Acq. 23-I-172(97)/1-1/74-75.—Whereas, I, J. Kathuria,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 45, Census No. 45/2, F.P. No. 123, T.P.S. No. 19 situated at Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ahmedabad on 16-4-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Kantilal Manilal Gor, for Self and as a Power of Attorney Holder of
 - (a) Sharmisthaben Mahendrakumar,
 - (b) Jasumatiben Navinchandra,
 - (c) Rashmiben Rasiklal,
 2. Shri Ashokkumar Kantilal,
3. Shri Rajendra Kantilal, Village: Patdi. Taluka Dasada, Distt. Surendranagar.

(Transferor)

- (2) Kusumben Hasmukhlal, Parabadiro Khancho, Asarwa, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE—

Bungalow standing on land admeasuring 425 sq. yds. bearing Survey No. 45, Census No. 45/2, Final Plot No. 123, of T.P. Scheme No. 19, situated at Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 6-11-1974
Seal

FORM ITNS

(1) Shri Vishnukumar S/o Shri Gapoolal Gaur, 2. Smt. Dakha Bai W/o Shri Chhitarmal both r/o Shivpur Kalan, Distt. Morena, M.P.

(Transferor)

(2) Shri Megraj S/o Shri Nenumal, 2. Shri Nanakram S/o Nenumal, 3. Shri Dhanraj and Shri Rijumal alias Manoharlal S/o Shri Nenumal Sindhi all r/o Shivpur-Kalan, Distt. Morena, M.P.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 12th December 1974

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I, M.F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House and shop-three storeyed situated in Moti Karthana, Sadar Bazar, Ward No. 5, House No. 17, Shivpuri Kalan, M.P. Distt. Morena, M.P. situated at Shivpuri Kalan,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivpuri Kalan on 15-4-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and shop-three storeyed situated in Moti Karthana, Sadar Bazar Ward No. 5 House No. 17, Shivpuri Kalan, Distt. Morena, M.P.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner,
of Income-Tax Acquisition Range, Bhopal.

Dated : 12-12-1974
Seal

FORM ITNS

(2) Shri T. Marimuthu Pillai, 4, Ahimsapuram 4th St.,
Sellur, Madurai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE I
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 11th December 1974

No. F. X/10/6/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 50 situated at West Perumal Maistry St., Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudumandapam on April 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Smt. K. S. Mahmooda Beevi 30, Sultan Alauddin St., Elayankudi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building measuring 4551 sq. ft. at door No. 50, West Perumal Maistry Street, Madurai (T.S. No. 370/2).

K. V. RAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 11-12-1974

Seal .

FORM ITNS

(2) Mrs. Thajukdha, W/o Shri Abdul Azeer, South Main Road, Nidur, Tanjore Dist.
(Transferee)

(3) Pay & Accounts office.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
MADRAS

Madras-6, the 19th October 1974

No. F. 1080/74-75.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 123-D situated at Mount Road, Madras-6, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at T. Nagar, Madras on 24-4-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Paraskavur; Mrs. Kanta Devi; and Mrs. Navaratankavur; 36 General Muthiah Mudali St., Madras-1.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

IV Floor in Building & Premises No. 123D, Mount Road, Madras-6 together with 1/6th share in the ground of an extent 1 Ground-2315 Sft. (Doc. No. 632/74).

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Madras-6.

Date : 19-10-1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-2
MADRAS-6

Madras-6, the 2nd November 1974

No. F. 1063/74-75.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. situated at No. 62/2 Mowbrays Road, Madras-18, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Mylapore, Madras on 5-4-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri P. Murgamanickam, Shri P. M. Manickam; Shri P. M. Venkataswami & Shri P. M. Ramamurthy, No. 62, Mowbrays Road, Madras-18. (Transferor)
- (2) Shri C. N. Venkataswami, No. 62/2 Mowbrays Road, Madras-18. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land (with building) admmeasuring 4 Grounds and 824 Sft. and bearing Door No 62/2 Mowbrays Road, Madras-18.

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 2-11-1974
Seal.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 28th October 1974

No. Acq. 23-I-173/1-1/74-75.—Whereas, I, J. Kathuria, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Final Plot No. 217 (South-side), Sub-Plot No. 6, T.P.S. No. 20 situated at Kochrab, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 23rd April 1974 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income if any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Jayantibhai Shankarbai Patel, For & on behalf of Shri Bharatkumar Chhotabhai Patel, As power of Attorney Holder, Sardar Patel Nagar, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Tejkaran Bhanvarlal Lunia, Karta of H.U.F. of Tejkaran Bhanvarlal, Sardar Patel Nagar, Navrangpura, Ahmedabad.
- 2. Smt. Laxmidevi Tejkaran Lunia.
ACQUISITION RANGE, MADRAS
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land, admeasuring 551 sq. yds., bearing Final Plot No. 217 (South-side), Sub-Plot No. 6, of T.P. Scheme No. 20, situated at Kochrab, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 28-10-1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 19th October 1974

No. F.1080/74-75—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 123-D situated at Mount Road, Madras-6, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at T. Nagar, Madras on 24-4-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Paraskavur; Mrs. Kanta Devi and Mr. Navaratankavur 36, General Muthiah Mudali St., Madras. (Transferor)
- (2) Shri M. Abdul Azeez, South Main Road, Nidur, Tanjore Dt. (Transferee)
- (3) Khivraj Automobiles and Pay & Accounts Office, (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor & first floor flats in the building and premises No. 123-D, Mount Road, Madras-6 having an area 1 ground & 2315 Sft. in which 1/3rd share in the ground is conveyed under the Sale Deed. (Doc. No. 626/74).

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2, Madras-6

Date : 19.10.1974

Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 4th November 1974

No. Acq.F-128/VSP.—Whereas, I K. Subbarao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. 1-8-13, T.S. No. 665 Asst. No. 421 situated at Contonment Vizianagaram,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizianagaram on 15-4-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Pusapati Ashok Gajapati Raju No. 5 Bungalow Vizianagaram

(Transferor)

- (1) Shri V. V. Narasingarao, Secretary, Contonment Club.
- (2) Smt. Madipalli Mahalaxamma, W/o Kameswararao, Mahatmagandhi Road, Vizianagaram.
- (3) Dr. M. Subbarao, S/o Dr. M. Satyanarayananurthy, Kothaagaram, Vizianagaram.
- (4) Maturi Lingamurthy, S/o Late M. Gawardaju, Mahatmagandhi Road, Vizianagaram.
- (5) Sri K.R. Mohanagupta, S/o K. Seetharamayya, Partner Seawayshop, M.G. Road, Vizianagaram.
- (6) Smt. A. Urmiladevi, W/o A.R. Narasingarao, Allakaveedhi, Vizianagaram.
- (7) Sri Jindpuri Gopalrao, S/o Late Chittiramamurthy, Easter Drug Stores, Vizianagaram-2.
- (8) Smt. K. Satyavathi, W/o K. Satyanarayananurthy, Supervisor, R & B, Vasannapeta, Vizianagaram-2.
- (9) Sri Buddaraju Sambamurthyraju, S/o Sri B. S. N. Raju, Datlirajeru, Bobbili Taluk.
- (10) Smt. Pusapati Lalithakumari, W/o Sri P. Raghunatharaju, Co-operative Central Bank, Vizianagaram.
- (11) Smt. Alluri Venkataramanamma, W/o Late S. S. Raju, Gadilanka, Razole Taluk, E. G. DT.
- (12) Sri U. Krishnamohan S/o Late U. Subbarayabhat, 15-1-45, Ulbag Road, Vizianagaram.
- (13) Shri Buddaraju Appanarasimharaju, S/o Sri B. V. Narayana Raju, Bondapalli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Visakhapatnam District—Sub Regn. District—Vizianagaram—Vizianagaram Municipality—Vizianagaram Town—Ward—Contonment No. 1—Door No. 1-8-13---T. S. No. 655.

K. SUBBARAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Kakinada

Date : 4-11-1974

Seal :

FORM ITNS

(2) M/s M. Seyed Mohamed, S. M. Miskeen Sahib, S.M.M. Sathakatulla, S.M.M. Abdul Kader, Kayalpattinam, Tinnevelly Dt.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 11th December 1974

No. F. IX/1/5/74-75.—Whereas, I. K. V. Rajan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 64 situated at Linghi Chetty St., Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR 1, Madras on April 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. C.O Jeevarathnammal, Shri Parthasarathy, Shri Venkatachalam, Shri Kalyanasundaram, & Shri C. K. Subramaniam, 239, Linghi Chetty St., Madras-1.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

*(4) (Person whom the under-signed knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building measuring about 1533 sq. ft. at No. 64, Linghi Chetty Street, Madras-1.

K. V. RAJAN,
Acquisition Range-I, Madras-6.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Date : 11-12-1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) S. H. Shamushihabudeen; M.S.M. Kader Sahib, Thaika Street, Kayalpatnam, Tirunelveli Dt.; S. K. Ahamed Salahudeen, 2/14 St. Xavier St., Madras-1 and S. M. S. Ahamed Shamuna Lebbai, 51, Malayappa St., Madras-1.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, MADRAS

Madras-6, the 30th September 1974

No. F. 1209/74-75.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 40 situated at General Patters Road, Madras-2, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras on April 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) R F. Mazda, 25/26, Ritterdon Road, Vepery, Madras and B. Faroodi Al Bema, Dinshaw Bagh, Dehanu Road, Thana District, Maharashtra.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing in the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2480 sft. (with building) in Door No. 40, General Patters Road, Madras-2.

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range-2, Madras-6

Date : 30-9-1974.

Seal :

FORM ITNS—

(3) Ministry of Law & Justice,
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 19th October 1974

No. F. 1080/74-75.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 123-D situated at Mount Road, Madras-6, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras on 24-4-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Paraskavur; Mrs. Kanta Devi and Mrs. Navaratankavur; 36, General Muthiah Mudali St., Madras-1.
(Transferor)
- (2) Shri A. Naziumudeen & Shri Mohamed Rajick, Sons of Shri Abdul Azeez, South Main Road, Nidur, Tanjore Dist.
(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

V Floor in the building and premises No. 123D, Mount Road, Madras-6 together with 1/6th share in the ground of an extent 1 Ground & 2315 Sft. (Doc. No. 633/74).

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2, Madras-6

Date : 19.10.1974

Seal :

FORM ITNS

(2) Smt. G. Mangamma, C/o S. A. Narasinga Rao,
43-9-14 Ramaraju Quarters, Dondaparthi, Vizag-
patam-4.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 5th December 1974

No. Acq.F. No.-132/VSP.—Whereas, I K. Subba Rao being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 7-1-56, Waltair Main Road Opp. University Grounds, Waltair (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Visakhapatnam in March, 74 & April, 74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. M Sita, C/o M. K. Ramaiah, Engineer & Contractor, Main Road, Visakhapatnam-1.

(Transferor)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Visakhapatnam District—Vizagapatam Registration—Visakhapatnam Municipality—Door No. 7-1-56—Waltair Main Road—Opposite Andhra University Sports Grounds—Visakhapatnam.

Boundaries

East—Site of Smt. Manchukonda Rukminamma,
South—Andhra University Girl's Hostel Road.
West—Building of Smt. Rukmini Benpatel.
North—Building purchased by the transferees.

K. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada

Date : 5-12-1974

Seal :

FORM ITNS

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-6, the 11th December 1974

No. F.X/10/3/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under Sec. 269-D of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 166-A, situated at Vakil New Street, Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudumandapam on April 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Mangalam Ammal & others, R. K. Mutt Road, Madras-28.
(Transferor)
- (2) Smt. Krishnammal, Vakil New St., Madurai.
(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building measuring about 2400 sq. ft. at door No. 166-A, Vakil New Street, Madurai.

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 11-12-1974

Seal :

FORM JTNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
Bhopal

Bhopal, the 12th December 1974

No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas J. M. F. Munshi, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. located at Shahpur Zone IX, Capital Project near Habibganj Railway Station being a part of the plot No. 25 of block No. E-II, Arera Colony, Bhopal,

situated at Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Office at Bhopal on 29-4-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under Sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

12-396GT/74

(1) Shri Rameshwar Prashad Sharma S/o Shri Makhan Lal Shashtri, R/o Laxmi Talkies Road, Bhopal.
(Transferor)

(2) Shri Mukesh Gupta (Minor) through Shri Jaidev Gupta through Wali Smt. Krishna Gupta, R/o Nawabganj, Faizabad, U.P.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property located at Shahpur Zone IX, Capital Project near Habibganj Railway Station being a part of the plot No. 25 of block No. E-II, Arera Colony, Bhopal.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Dated : 12-12-1974

Seal :

FORM IFNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE I.
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 7th November 1974

No. Acq. 23-I-200(98)/1-1/74-75.—Whereas, I, J. J. Kathuria, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sheet No. 36, 37, 40 & 41, Survey No. 1683, 1653/7, and Shahpur Ward No. 2, situated at Near Old Civil Hospital, Gheekanta, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 11.4.1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- 1 (1) Priyamvada alias Jarbai daughter of Kasturbhai Minibhai Nagarseth.

(2) Pramila daughter of Kasturbhai Minibhai Nagarseth, Nagarseth Vando, Old Civil Hospital, Gheekanta, Ahmedabad.

(Transferor)

2. (1) Shri Kalyanbhai Purshottamdas Fadia,
- (2) Shri Atmaram Bhogilal Sutaria,
- (3) Shri Lalbhai Girdharlal Dalal,
- (4) Shri Jyantilal Atmaram Shah,
- (5) Shri Jyantilal Bhogilal Shah,
- (6) Shri Sumatilal Chhotalal Shah,
- (7) Shri Rasiklal Mohanlal Shah,
- (8) Shri Bharatkumar Chandulal Shah,
For & on behalf of M/s Shanti Commercial Centre, 39, Sanjiv Baug, Nava Sharmadandir Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of an immovable property bearing Sheet No. 36, 37, 40 & 41, Shahpur Ward No. 2, Survey No. 1683 and Land for road bearing Survey No. 1653/7 and Survey No. 1682, situated Near Old Civil Hospital, Gheekanta, Ahmedabad and bounded as under:—

East: Survey No. 1653/5,

West: Road & property bearing Survey No. 1683,

North: Property bearing Survey No. 1653/6 & 1681/A/1,

South: Property bearing Survey No. 1683.
(and fully described in the sale-deed registered by the Sub-Registrar, Ahmedabad vide Regn. No. 1314, dtd. 11/4/1974.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range-1
Ahmedabad

Date: 7-11-1974

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 4th November 1974

Ref. No. Acq. 23-1-176(96)/1-1/74-75.—Whereas, I J. Kathuria, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Final Plot No. 156, Sub-Plot No. 4, T.P.S. No. 3 situated at Shekhpur-Khanpur, Navrangpura, Ahmedabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registrar of deeds at Ahmedabad on 25-4-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Hargovandas Shivram Panchal,
2. Smt. Champaben Hargovandas Panchal

3. Shri Subodhchandra Hargovandas Panchal
4. Shri Hasmukhlal Hargovandas Panchal Bungalow
No. 4, Navyug Colony, Opp: High Court,
Ahmedabad-14.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Paliram Mandanlal,
2. Rampyari Paliram,
Mangal Bhuvan, Near Shethia Building, Khadia Kui,
Relief Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bungalow standing on land admeasuring 644 c. yds. and bearing Final Plot No. 156, Sub-Plot No 4 of T.P. Scheme No. 3, situated at Shekhpur-Khanpur, Navrangpura, Ahmedabad.

J. KATHURIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I Ahmedabad

Dated: 4-11-1974
Seal.

FORM ITNS

Objection if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 11th December 1974

No. F IX/7/10/1974-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 25 situated at New Avadi Road, Kilpauk, Madras-10, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

West Madras on April 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby partly by the issue of this notice under sub-section (1) of initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Hemibai, Mrs. Jothibai Lalchand, Mrs. Nirmala Nairandas & Mrs. Sundari Chimandas, No. 16, Avadi Road, Madras-10.
(Transferor)
- (2) Mrs. Gopi Ramchand, 23/24, Casa Major Road, Egmore, Madras.
(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (1267 sq. ft) and building (1640 sq. ft.) at door No. 25, New Avadi Road, Kilpauk, Madras-10 (R.S. No. 87)

K. V. RAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6
Delhi/New Delhi

Date : 11-12-1974
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shardaben Wd/of Bhikhahhai Mangalbhai Patel & others—Patidar Falia, HALOL (Dist. Panchmahal).
(Transferor)

(2) Jagruti Co-operative Housing Society—through its President—Dilipkumar Madhavdas Shah—Secretary—Viharibhai Maganlal Patel, Halol.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 1st November 1974

No. 166/Acq.23-239/15-3/74-75.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 467 N.A. Land—3 acres—2 gunthas situated at HALOL (Dist. Panchmahal), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Halol (Panchmahal) on 8-4-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

N.A. land bearing Sui. No. 467 situated at Halol Dist. Panchmahal, admeasuring 14762 sq. yards as described in Sale Deed registered under No. 332 on 8-4-1974 by Registering Officer, Halol.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date 1-11-1974

Seal.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Amritsar, the 7th November 1974

No. Acq. 23.I-201(99)/I-1/74-75.—Whereas, I, J. Kathuria,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sheet No. 36, 37, 40 & 41, Sur. No. 1677, 1678, 1679 & 1681/A/1, 1653-6, 1682, Shahpur Ward No. 2, situated at Ahmedabad, Near Old Civil Hospital, Gheekanta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 11-4-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the Acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. (1) Shri Suryakant Sahebsingh Nagarseth,
(2) Shri Nipinchandra Sahebsingh Nagarseth,
(3) Shri Priyakant Sahebsingh Nagarseth,
(4) Shri Indrajit Sahebsingh Nagarseth,
Near Old Civil Hospital, Nagarseth Vando Gheekanta, Ahmedabad.

(Transferor)

2. (1) Shri Kalyanbhai Purshottamdas Fadia,
(2) Shri Atmaram Bhogilal Sutaria,
(3) Shri Lalbhai Girdharlal Datal,
(4) Shri Jyantilal Atmaram Shah,
(5) Shri Jyantilal Bhogilal Shah,
(6) Shri Sumatilal Chhotalal Shah,
(7) Shri Rasiklal Mohanlal Shah,
(8) Shri Bharatkumar Chandulal Shah,

For & on behalf of Shanti Commercial Centre, 39, Sanjiv Baug, Nava Sharmmandir Road, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of an immovable property bearing Sheet No. 36, 37, 40 & 41, Survey Nos. 1677, 1678, 1679 and 1681/A/1, Shahpur Ward No. 2, including land for road bearing Sur. No. 1653-6 and 1682, and situated Near Old Civil Hospital, Gheekanta, Ahmedabad and bounded as under :—

East : Sur. No. 1653/1 & 1653/5,
West : Road.

North : Sur. No. 1681/A/1,
South : Sur. No. 1683 & 1653.

(and fully described in the sale-deed registered by the Sub-Registrar, Ahmedabad *vide* regn. No. 1315, dtd. 11-4-1974).

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 7-11-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION (1) OF THE INCOME TAX
ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 1st November 1974

No. PR-165-Acq.23-255/19-8/74-75.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sur. No. 13-2 13-3 & 14 Paiki Muni Ward 13-Nondh 2 & 3 Plot-3 situated at Diwali-baug, Athwa Lines, Tal. Chorasi, Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 8-4-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the transferor and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Mansukhlal Shantilal Rana, Ambaben Shantilal Rana, Dhansukhlal Chandulal Rana, Hirilal Chandulal Rana, Navapara; Karva Road, Surat.

(Transferor)

- (2) Uttamram Manilal Gajiwala Champaklal Nagindas Bipinchandra Dahyabhai Jashodaben Motilal, Navapara, Limda Sheri, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Sur. No. 13-2, 13-3 and 14 Paiki in Mun. Ward No. 13 Nondh No. 2 and 3 Paiki Plot No. 3 situated in Diwali-baug, Athwa Lines, Athwa, Tal. Chorasi, Dist. Surat admeasuring about 401.67 sq. yds. as mentioned in the registered deed No. 1294 of April 1974 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 1-11-1974

Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I 123, MOUNT ROAD MADRAS-6.

section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Hemibai, Mrs. Jothibai Lalchand, Mrs. Nirmala Naraindas & Mrs. Sundari Chimandas, No. 16, Avadi Road, Madras-10. (Transferor)
- (2) Mrs. Lalitha Ramchand, No. 25, New Avadi Road, Madras-10. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 11th December 1974

Ref. No. F. IX/7/12/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under section 269D of being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and being door No. 25 situated at New Avadi Road, Kilpauk, Madras-10, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at West Madras on April 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the evasion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas, the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.—

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (1267 sq. ft) and building (1640 sq. ft) at door No. 25, New Avadi Road Kilpauk, Madras-10 (R.S. No. 87).

K. V. RAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 11-12-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-2
23, Mount Road, Madras-6

Madras-6, the 8th November 1974

No. F. 1079/74-75.—Whereas, I, **A. Raghavendra Rao**, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1A, 1st Street, Tirumurthi Nagar, Nungambakkam, Madras-34,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

T. Nagar, Madras on 16-4-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

13—396GI/74

(1) Dr. Miss J. Muthiah, M.B.,B.S., 1A, 1st Street, Tirumurthi Nagar, Madras-34.

(Transferor)

(2) Mr. S. A. Rahmatullah, I.F.S. and Mrs. S. M. Adeeba Khanam, 28, Bharathidasan Road, Madras-18.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (with building) admeasuring 3 grounds and 2134 Sft. and bearing Door No. 1A, 1st Street, Tirumurthi Nagar, Nungambakkam, Madras-34 (R.S. No. 131 and Plot No. 'C').

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range-2, Madras-6

Date : 8.11.1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri T. Mahesan; (2) Smt. Punithawathi and Gowriesan (Minor) by father Shri T. Mahesan, 3B, Greenways Road, Madras-28. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-2

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 27th November 1974

No. F.1074/74-75.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 3-B & 3-C situated at Greenways Road, Madras-28, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mylapore, Madras on 25-4-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor and the transferee has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. K. Jayalakshmi; (2) Shri K. Ashokan; (3) Shri K. Vasudevan; and Shri K. Padmanabhan Nos. 2 to 4 represented by Power Agent Smt. Jayalakshmi 3-D, Greenways Road, Madras-28.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated at Door No. 3-B and 3-C, Greenways Road, Madras-28 (R.S. No. 3958/Part).

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-2, Madras-6

Date : 27-11-1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Raman, Kalarampatty, Salem Dt.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

*OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, MADRAS-6.

Madras-6, the 11th December 1974

No. F.XVI/1(1)/1A/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1.50 acres situated at Kalarampatty, Salem Dt., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at JSR 1, Salem on April, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) M/s K. Muthuswamy & Balakrishnan, Saudhapuram Rasipuram, Salem Dt.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Punja lands measuring about 1.50 acres at Kalarampatty village, Salem district.

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Madras-6.

Date : 11-12-1974

Seal :

FORM ITNS

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, MADRAS

Madras-6, the 11th December 1974

No. F.X/10/2/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 166-A situated at Vakil New Street, Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudumandapam on April 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Mangalam Ammal & others, R. K. Mutt Road, Madras-18.
(Transferor)
- (2) Shri Sundaram Chettiar, 79, North Masi Street, Madurai.
(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building measuring about 2340 sq. ft. at door No. 166-A, Vakil New Street, Madurai.

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Madras-6.

Date : 11-12-1974

Seal :